फरवरी (प्रथम) 2022 | ₹35.00

चंपक

J

VISIT…

LANZAROTE
Caliente.COM

STOMAFIT®

लिक्विड व टैबलेट

SUNCARE
A WHO GMP COMPANY
SURE SAFE SECURE

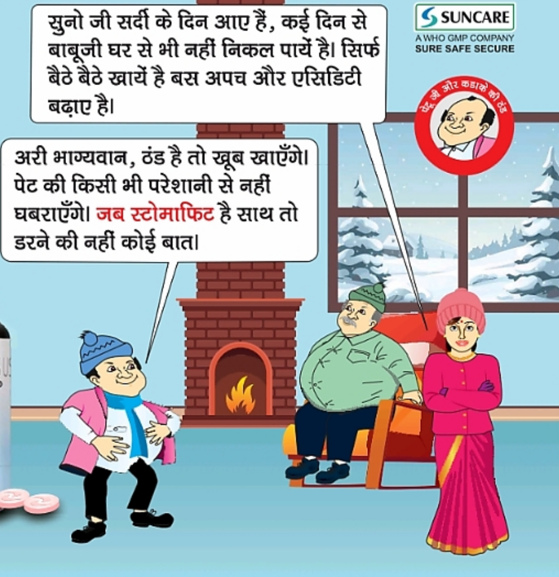
सुनो जी सर्दी के दिन आए हैं, कई दिन से बाबूजी घर से भी नहीं निकल पायें है। सिर्फ बैठे बैठे खायें है बस अपच और एसिडिटी बढ़ाए है।
अरी भाग्यवान, ठंड है तो खूब खाएँगे। पेट की किसी भी परेशानी से नहीं घबराएँगे। जब स्टोमाफिट है साथ तो डरने की नहीं कोई बात।
पेट जी और कड़ाके की ठंड

अपच व ऐसीडिटी से तुरंत आराम
ANTACID LIQUID WITH BISMUTH & BELLADONNA
STOMAFIT
LIQUID
KEEPS STOMACH FIT
STOMAFIT
CHEWABLE

450ML, 200ML, 100ML, 90 TABLETS

HAEMOCAL®

Delicious Taste

ग्लूकोज़ से भरपूर आयरन टॉनिक

परिवार के हर उम्र के— सदस्य के लिए लाभकारी...

हर माता पिता की कोशिश रहती है कि बच्चों का पूर्ण विकास हो जिसके लिए सही पोषण मिलना जरूरी है। इस कोशिश में सहयोग देता है **हेमोकॉल**, जो शरीर में खून बढ़ाता है और कमजोरी को दूर करता है जिससे बच्चें रहते हैं स्वस्थ ओर चाहे पढाई हो या खेल कूद उनका प्रदर्शन रहता है जबरदस्त।

HAEMOCAL
Iron Tonic with Folic Acid

शहद सा गाढा संतरे सा स्वादिष्ट

300ML, 450ML

HAEMOCAL-Z जिंक के साथ उपलब्ध(450ml)

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:

सनकेयर फार्मूलेशन्स प्रा. लि.

फोन:8447977889/999, 011-46108735, मेल:info@stomafit.com

सभी प्रमुख ऑनलाईन फार्मेसीयों पर उपल्बध

हेमोकॉल खरीदने के लिए स्कैन करें

स्टोमाफिट खरीदने के लिए स्कैन करें

चंपक

फरवरी (प्रथम) 2022 अंक : 1230

संस्थापक
विश्वनाथ
1917-2002

सुनो कहानी

नाव की सवारी	4
प्यारी दोस्ती	10
जौय की नई यात्रा	15
बब्बूगोशा स्वास्थ्य के लिए लाभकारी	21
अक्ल बड़ी या भैंस	30
अनूठी दौड़	38
जेबू की फसल	46

मुखपृष्ठ

वैलेंटाइन डे दोस्तों या परिवार के लोगों के बीच प्यार के आदानप्रदान के लिए मनाया जाता है. हमारे इस अंक में इस बारे में सबकुछ पढ़ें और अपने प्यार को यह बताना न भूलें कि आप उसे कितना प्यार करते हैं.

मन बहलाओ

रास्ता बताओ	8
सुंदर रंग भरो	9
देखो हंस न देना	14
बताओ तो जानें	20
छिपे चित्र ढूंढ़ें	25
बिंदु मिलाओ	28
शालिनी की मदद करें	29
चित्र पूरा करें	34
स्मार्ट	36
जोई की मदद करें	37
अंतर बताओ	43

चित्र कथाएं

डमरू और मोनू बंदर	13
चीकू	26
दादाजी और वैलेंटाइन डे	44

विशेष पृष्ठ

तुम्हारी योजना क्या है?	12
मजेदार विज्ञान	19
आप के सवाल मेनका आंटी के जवाब	35

संपादक व प्रकाशक ● परेश नाथ

संपादकीय, विज्ञापन व प्रकाशन कार्यालय :
दिल्ली प्रेस भवन, ई-8, झंडेवाला एस्टेट, रानी झांसी मार्ग, नई दिल्ली-110055. फोन : 41398888, 23529557-62.
दिल्ली प्रेस पत्र प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक परेश नाथ द्वारा ई-8, झंडेवाला एस्टेट, नई दिल्ली-110055 से प्रकाशित एवं पीएस पीसी प्रैस प्राइवेट लिमिटेड, डीएलएफ-50, इंडस्ट्रियल एरिया, फरीदाबाद, हरियाणा -121003 से मुद्रित. संपादक - परेश नाथ.
Sold on the condition that jurisdiction for all disputes concerning sale, subscription and published matter will be in courts/forums/tribunals at Delhi.

चंपक में प्रकाशित कथा साहित्य में नाम, स्थान, घटनाएं व संस्थाएं काल्पनिक हैं और किसी से उन की समानता संयोग मात्र है.
प्रकाशनार्थ रचनाओं के साथ टिकट लगा पता लिखा लिफाफा भेजना आवश्यक है अन्यथा अस्वीकृत रचनाएं लौटाई नहीं जाएंगी. प्रेषित रचनाओं की सुरक्षा/वापसी के लिए कार्यालय का कोई उत्तरदायित्व नहीं है.
दिल्ली प्रैस पत्र प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड की आज्ञा बिना कोई रचना किसी प्रकार उद्धृत नहीं की जानी चाहिए.
'चीकू' शीर्षक भारत सरकार द्वारा रजिस्टर्ड है.

वार्षिक मूल्य केवल क्रेडिट कार्ड/चैक/ड्राफ्ट/मनीआर्डर द्वारा ही 'चंपक' के नाम से ई-8, झंडेवाला एस्टेट,
नई दिल्ली-110055 को ही भेजें. वी.पी.पी. नहीं. एक प्रति रु. 35.00 (बिना सोडी के),
वार्षिक रु. 966, दो वर्ष रु. 1848. (भारत में)

ग्राहक बनने और वितरण के बारे में विस्तृत जानकारी संपर्क करें :
दिल्ली प्रकाशन वितरण प्राइवेट लिमिटेड
ई-8, झंडेवाला एस्टेट, रानी झांसी रोड, नई दिल्ली-110055
फोन: 91-11-41398888, एक्स. नं. 119, 221, 264.
मोबाइल/एसएमएस/व्हाट्सऐप: 08588843408
ईमेल: subscription @ delhipress.in

दिल्ली प्रकाशन वितरण प्राइवेट लिमिटेड
बी-3, वडाला उद्योग भवन, नैगांव क्रौस रोड, वडाला मुंबई-400031. फोन : 91-22-24122661, 43473050.

● रचनाओं व स्तंभों के लिए ईमेल:	article.hindi @ delhipress.in
● निमंत्रणों व प्रेस सूचनाओं के लिए ईमेल:	invites.pressrelease @ delhipress.biz
● संपादक को पत्रों के लिए ईमेल:	editor @ delhipress. biz
● ग्राहक विभाग के लिए ईमेल:	subscription @ delhipress.in

अपनी कहानी, कविता, ड्राइंग्स तथा क्राफ्ट्स यहां भी भेज सकते हैं :
writetochampak@delhipress.in या एसएमएस करें : 09619587613
www. facebook.com/ChampakMagazine और https://www.youtube.com/ user/ ChampakSciQ

नाव की सवारी

कहानी ● इंद्रजीत कौशिक

चंपकवन एक विशाल जंगल था, जिस में विभिन्न प्रकार के पशुपक्षी और जानवर रहते थे. जंगल के बीचोंबीच एक बड़ी नदी थी, जो सभी जानवरों को पानी उपलब्ध कराती थी, सारे पशुपक्षी यहीं आ कर अपनी प्यास बुझाते थे.

अब समस्या यह थी कि नदी के एक किनारे से दूसरे किनारे तक कैसे फल और भोजन प्राप्त करने जाया जाए. जिन जानवरों को तैरना आता था वे तो बड़े आराम से तैरते हुए दूसरे किनारे तक पहुंच जाते थे, पर समस्या उन की थी जिन को तैरना नहीं आता था.

एक दिन कोको बिल्ली ने राजा शेरसिंह से कहा, ''महाराज, अगर इजाजत दें तो मैं इस नदी में नाव चलाना चाहता हूं.''

''तुम्हें अचानक नदी के उस पार नाव चलाने की क्या सूझी?'' उस की बात सुन कर महाराज के कान खड़े हो गए, क्योंकि वे जानते थे कि कोको बिना स्वार्थ के कोई काम नहीं करता.

कोको ने समझाया, ''महाराज, आप तो जानते ही हैं कि जंगलवासियों को नदी के एक छोर से दूसरे छोर पर जाने के लिए कितनी परेशानी होती है, मुझ से उन का दर्द देखा नहीं जाता.''

''लेकिन इस से भला तुम्हें क्या फायदा होगा? क्या तुम नहीं जानते कि नाव चलाना कितनी मेहनत का काम है.''

महाराज को अब भी विश्वास नहीं हो रहा था कि वह किसी नेक इरादे से यह काम करने का इच्छुक है.

''महाराज, मैं ने अपने जीवन में बहुत बुरे काम किए हैं. मैं अब खुद को बदलना चाहता हूं और कुछ अच्छा करना चाहता हूं इसलिए मैं ने तय किया है कि बिना

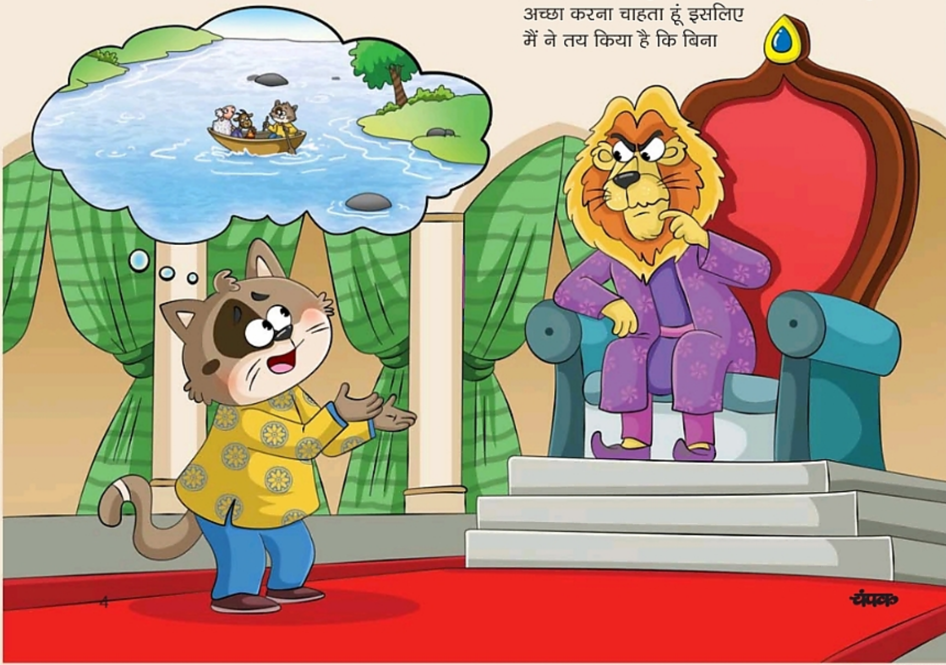

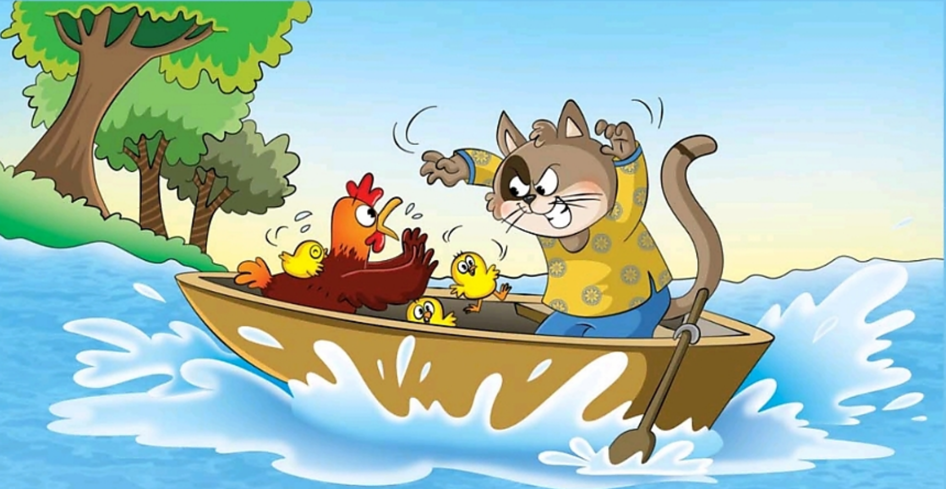

किराया लिए मैं जानवरों को अपनी नाव से नदी पार कराऊंगा,'' कोको ने आश्वासन किया.

यह देख राजा उस के प्रस्ताव पर राजी हो गए.

जंगल में लकड़ियों की कमी नहीं थी. कोको ने बड़ी मेहनत से एक मजबूत नाव तैयार की और फिर अगले दिन उसे नदी में उतार दिया.

जब कोको की नाव चली तो जानवरों की बहुत बड़ी परेशानी दूर हो गई. कोको उन्हें अपनी नाव में बिठा कर नदी के उस पार ले गया और इस के लिए उन से कोई शुल्क नहीं लिया.

''अरे भाई, थोड़ाबहुत किराया तो ले लिया करो. तुम दिन भर इतनी मेहनत से अपना काम करते हो तो इतना हक तो तुम्हारा बनता ही है,'' महाराज शेरसिंह उस की मेहनत से बहुत खुश हुए.

कोको ने हाथ जोड कर हंसते हुए कहा, ''महाराज, मुझे कुछ नहीं चाहिए. मैं तो बस इतना ही चाहता हूं कि आप की कृपादृष्टि मुझ पर बनी रहे.''

महाराज उस की बात सुन कर बहुत प्रभावित हुए. कल तक अपने बुरे कामों के लिए जाने जाने वाला कोको आज कितना बदल गया है, यह देख कर उन को बहुत अच्छा लग रहा था.

''कोको, हमें नदी के उस तरफ किसी काम से जाना है. क्या तुम हमें वहां तक अपनी नाव से छोड़ दोगे?'' एक दिन ऐली मुर्गी अपने चूजों के साथ कोको के पास आई.

''आओ, मुझे तुम्हें उस पार पहुंचा कर सचमुच बहुत खुशी होगी. तुम आराम से अपने परिवार सहित नाव पर सवार हो जाओ,'' ऐली की बात सुन कर कोको बोला.

ऐली और उस के चूजे नाव पर सवार हो गए. नाव जब बीच मझधार में पहुंची तो कोको ने अपनी बुरी योजना का खुलासा किया.

मौका मिलते ही वह ऐली और उस के पूरे परिवार को खा गया. असल में कोको का नाव चलाने का उद्देश्य यही था. शुरुशुरू में सब का विश्वास जीतने के लिए उस ने जानवरों को सुरक्षित पहुंचाया भी था पर अब वह अपने पुराने ढर्रे पर आ गया था.

काफी समय से उसे शिकार नहीं मिल पाने के कारण ही उस ने नाव चलाने का नया आइडिया

सोचा था ताकि इस बहाने वह छोटे जानवरों पर हाथ साफ कर सके.

इधर छोटे जानवर लगातार जंगल से धीरेधीरे गायब होने लगे तो सब सतर्क हो गए. बात राजा तक पहुंची तो उन के भी कान खड़े हो गए.

कोको को पता था कि अगर उन में से कोई भी उस पर शक करने लगे तो वह मुसीबत में पड़ सकता है. इसलिए कुछ दिनों के लिए उस ने अपना यह खेल बंद कर दिया.

बिना किसी सुबूत के राजा क्या कर सकते थे? उन्होंने कुछ दिन तक कोको की जासूसी भी करवाई पर नतीजा कुछ नहीं निकला और कोको के हौसले फिर से बुलंद हो गए.

नदी के किनारे एक पेड़ था जिस पर जंपी बंदर रहता था. पेड़ से उसे सबकुछ साफ नजर आता था. उस से कोको की कारस्तानी छिपी नहीं रह सकी.

‘‘महाराज, बहुत समय पहले किसी कारण मेरी नदी में रहने वाले क्रियो मगरमच्छ से दोस्ती हो गई थी. आप कहें तो मैं मगरू की सहायता से दुष्ट कोको के कारनामों की असलियत पता लगाने में आप की मदद कर सकता हूं,’’ एक दिन जंपी राजा के पास गया.

‘‘मुझे भी कोको पर शक है कि वह फिर से अपने पुराने ढर्रे पर लौट आया है. नाव चलाने की आड़ में वह छोटे जानवरों को अपना शिकार बना रहा है. सुबूत मिलते ही उसे उस के किए की सजा जरूर मिलेगी,’’ महाराज बोले तो जंपी अपने मिशन में लग गया.

क्रियो नदी के हर कोने के बारे में जानता था. इसलिए जब जंपी ने उस से मदद मांगी तो वह तैयार हो गया.

‘‘यदि वह अपनी हरकत को दोहराता है तो वह मेरे हाथों से बच नहीं पाएगा. आज से यह जिम्मेदारी

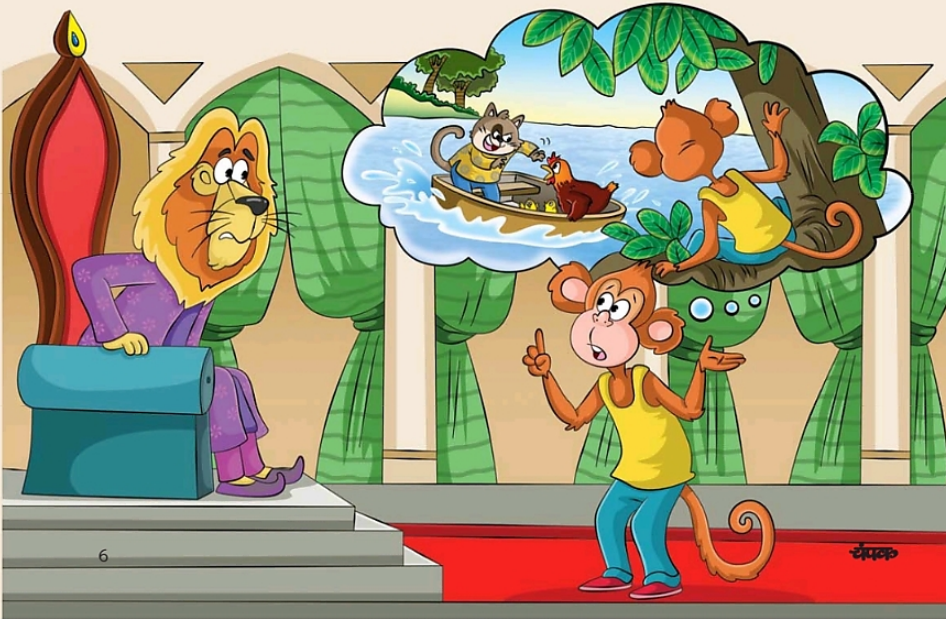

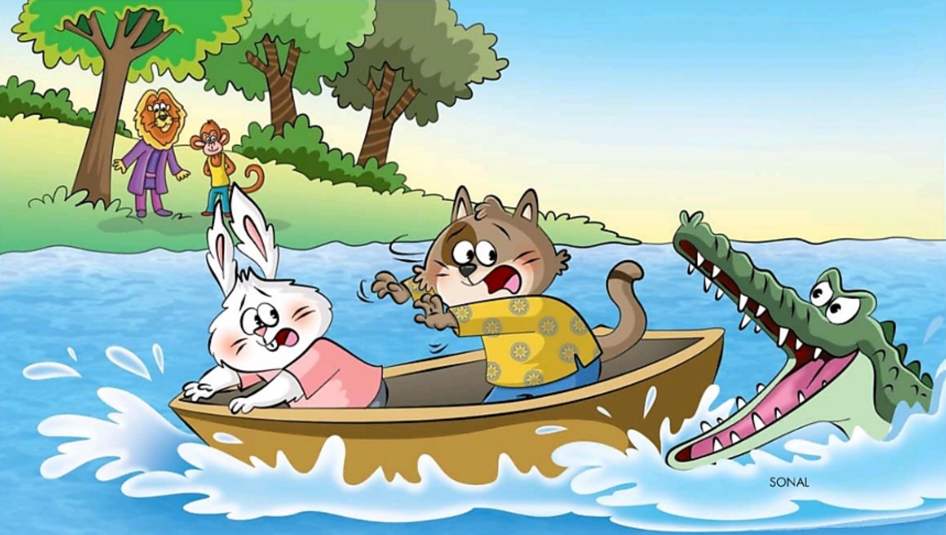

मेरी होगी,'' उस ने जंपी को आश्वस्त किया.

उधर कोको को इस बात अंदाजा नहीं था कि उस के लिए जाल बिछाया गया है. चीकू खरगोश अपने परिवार के साथ कुछ सामान लेने नाव पर सवार हो कर नदी के उस पार जा रहा था.

भोलेभाले चीकू को इस बात की रत्तीभर भी खबर नहीं थी कि कोको के इरादे कितने खतरनाक हैं. जैसे ही नाव नदी के बीचोंबीच पहुंची उस ने जोर का ठहाका लगाया और चीकू को दबोचने के लिए आगे बढ़ा.

''यह तुम क्या कर रहे हो? तुम होश में तो हो?'' कहते हुए चीकू जोर से चिल्लाया. अपने सिर पर मौत को मंडराते देख उस के प्राण सूख गए.

''हा, हा, हा. अब तुम मेरे चंगुल से बच कर कहीं नहीं जा सकते प्यारे चीकू. आज मैं तुम सब को चट कर के खूब दावत उड़ाऊंगा.'' वह हंसते हुए आगे बढ़ा ही था कि तभी क्रियो ने पूरा खेल ही बदल दिया.

उस ने पानी में से अपना मुंह बाहर निकाला और पलक झपकते ही कोको को अपने जबड़े में जकड़ लिया.

''मुझे छोड़ दो, मुझे जाने दो. मेरा दम घुट रहा है,'' कोको के गले से बड़ी मुश्किल से आवाज निकल रही थी.

क्रियो ने उस की एक नहीं सूनी. वह उसे अपने जबड़े में दबा कर किनारे जा पहुंचा जहां जंपी राजा शेरसिंह के साथ पहले से ही खड़ा था.

राजा को देखते ही कोको की डर की वजह से सिट्टीपिट्टी गुम हो गई. वह थरथर कांपने लगा.

''नालायक, धोखेबज. तू अपनी हरकतों से कभी बाज नहीं आने वाला,'' शेरसिंह के गुस्से का ठिकाना नहीं रहा.

क्रोको को उस के कर्मों का फल मिला तो सब बहुत खुश हुए. राजा ने नाव चलाने का जिम्मा जंपी को सौंपा तो वह खुशीखुशी यह काम करने के लिए तैयार हो गया. चंपकवन की खुशियां फिर से लौट आई थीं. ●

रास्ता बताओ

चौकलेट केक के समान भागों में कटे हुए हिस्से से हो कर मीकू चूहे को अपना रास्ता ढूंढ़ने में मदद कीजिए.

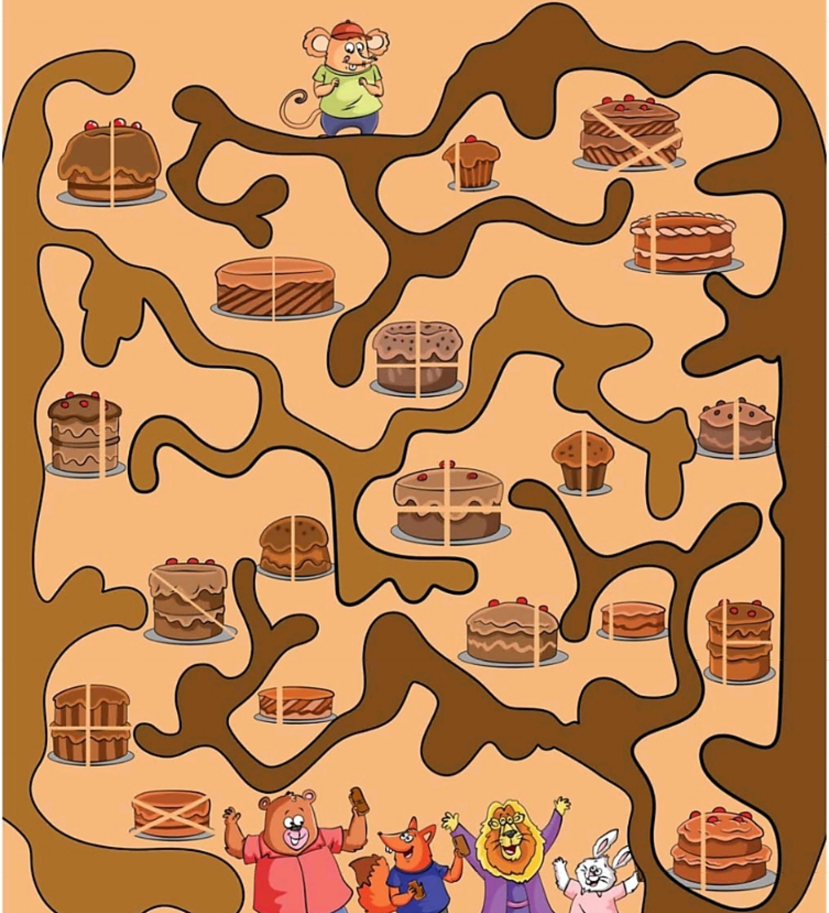

उत्तर: अंतिम पृष्ठ पर देखें.

सुंदर रंग भरो

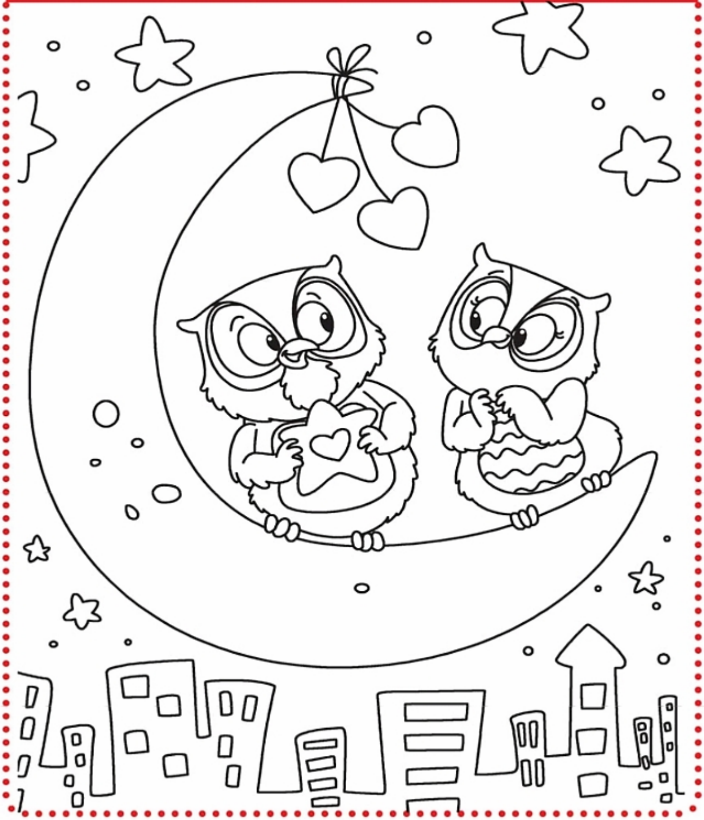

तन रंग दे,
मन रंग दे

RB भारत का सुप्रसिद्ध एवं सर्वश्रेष्ठ...

तोता®

रंग व गुलाल

बचपन के रंगों
से सजी होली,
फिर से खेलो
यह रंग बिरंगी होली।

www.holicolour.com
Toll Free No. 1800 121 7107

रंग भरें, अपना नाम और पता लिखें, पोस्ट द्वारा भेजें या फोटो खीचें और 9412154532 पर व्हाट्सऐप करें, चुनिंदा चित्रो को तोता गुलाल के गिफ्ट हैम्पर भेजे जाएगें
RADHA KISHAN BISHAN DASS RANG RASAYAN PVT. LTD. Tota Rang Factory, Guriha Wala Pech, Hathras-204101, UP

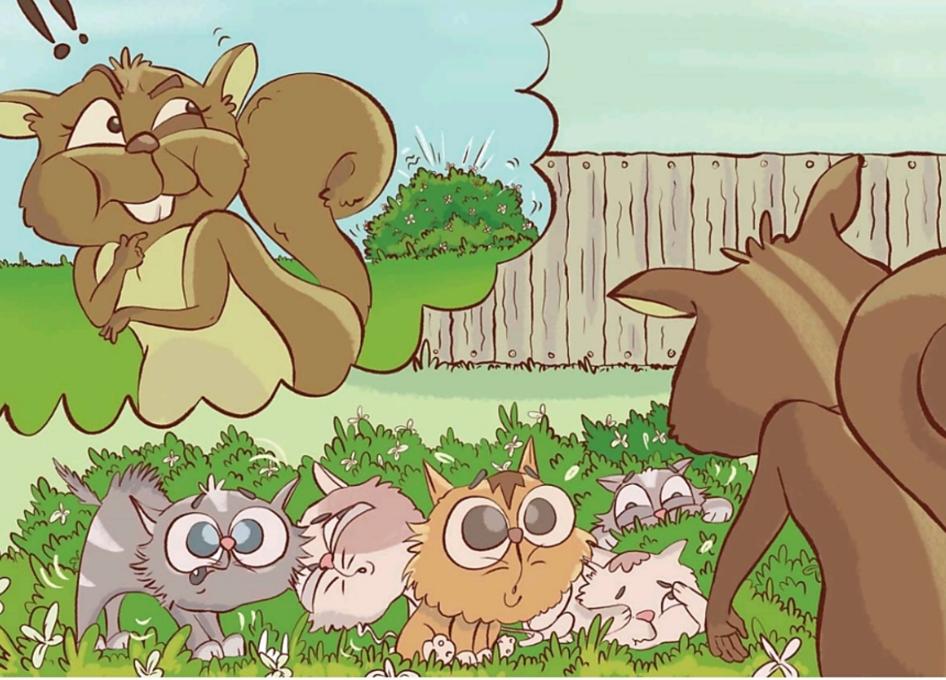

प्यारी दोस्ती

कहानी ● पूनम पांडे

सुबह के सूरज की पहली किरण जब सैली गिलहरी के चेहरे पर पड़ी तो वह अंगड़ाई ले कर जाग गई. उस को तो सुबह होते ही बिस्तर से कूद कर पूरे बगीचे की सैर करना बहुत अच्छा लगता था.

आज भी वह सर्र कर के पेड़ के तने से नीचे जमीन पर गिर पड़ी.

वह जिस बगीचे में रहती थी वह काफी हराभरा था. वहां खरगोश, गौरैया, तोते, तितलियां सब रहते थे. सैली बगीचे में जहां टहल रही थी वहां पास ही चमेली की झाड़ी थी. उस को ऐसा लगा जैसे कोई वहां पर हिलडुल रहा है. सैली चौंकी तो उस को कुछ आवाज भी सुनाई दी. सैली से रहा नहीं गया, उस ने पास जा कर देखा. वहां पर रूई की तरह कोमल बिल्ली के 5 बच्चे म्याऊंम्यांऊ कर रहे थे.

सैली को लगा कि अगर बच्चे हैं तो उन की रक्षा के लिए मां भी होगी. लेकिन उन बच्चों ने जब इशारा कर के उस को अपने पास बुलाया तो वह उन के नजदीक चली गई.

इतनी बड़ी गिलहरी को करीब आते देख कर वह पांचों घबरा गए, लेकिन सैली ने हंस कर उन को भरोसा दिलाया, ''डरो मत, पर तुम तो कल तक यहां पर थे ही नहीं रात में ही आए होंगे.''

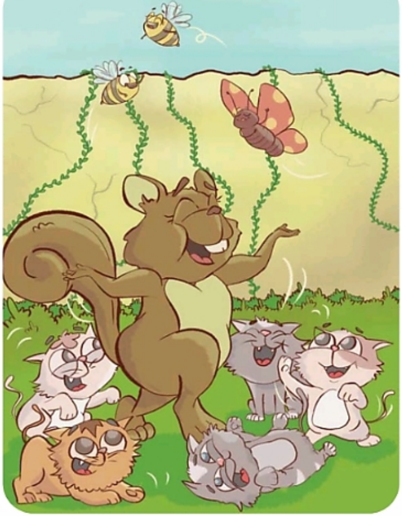

‘‘हमें 7-8 दिन इस दुनिया में आए हो गए हैं और हमारी मां हम को दांतों मे दबा कर रात को यहां ले आई. जब हम जागे तो वह न जाने कहां चली गई,’’ एक बच्चे कोको ने कहा.

सैली ने जब कोको की बात सुनी तो उस के दिल में उन के लिए बहुत सारा प्यार उमड़ आया. उस ने कहा, ‘‘हांहां, मुझे पता है कि बिल्ली अपने बच्चों को हर रात नई जगह ले जाती है ताकि बच्चे सुरक्षित रहें और हर माहौल में जीना सीखें.’’ 5 बिल्ली के बच्चे गरदन हिला कर सैली की बात सुनते ही सिर हिला रहे थे.

अब बिल्ली के बच्चे खास कर कोको सैली की तरफ आकर्षित हो रहे थे. उसे लगा जैसे उसे उस से प्यार हो गया है.

सैली उन का मनोरंजन करने के लिए गाना गाने लगी और गाना सुन कर वहां एक तितली और दो भंवरे भी आ गए.

पांचों बच्चे रूई के गोले से मटकने लगे. कोको जरा सी देर के लिए अपनी मां को भूल गया. तभी एक काला साया अचानक से आया और सैली पर झपट पड़ा. सैली समझ गई कि यह बिल्ली है. वह अपनी जान बचाने की कोशिश करने लगी.

पांचों बिल्ली के बच्चे इतनी जोर से चीखने लगे कि बिल्ली यानी उन की मां उन्हें देखने लगी. इसी जद्दोजहद में उस के पंजे की पकड़ ढीली पड़ गई और सैली की जान बच गई.

बच्चे कह रहे थे, ‘‘मां यह हमारी दोस्त है इस को मत मारो. आप को पता है यह कब से हमारा मन बहला रही है और हमारा ध्यान रख रही है.’’ बिल्ली ने मुड़ कर देखा सैली वहीं पर थी.

बिल्ली ने वादा किया कि वह अपने बच्चों की इतनी प्यारी दोस्त को कैसे मार सकती है?

सैली ने उसे माफ कर दिया और बिल्ली के बच्चे को एक कटोरे में दूध भर कर दिया.

पांचों रूई के गोले दूध का मजा ले रहे थे और सैली खुश थी. ●

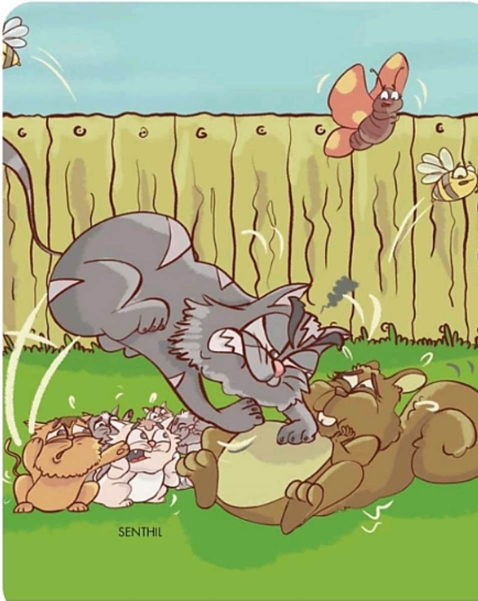

तुम्हारी योजना क्या है?

14 फरवरी को वैलेंटाइन डे है. हमारे पाठकों ने अपनी योजनाओं को हम से इस तरह साझा किया है.

मैं अपने परिवार के साथ इस दिन को मनाने जा रहा हूं. पापा औफिस से जल्दी आ जाएंगे और मैं और मेरी बहन एक केक बनाएंगे ताकि हम एकसाथ खा सकें और मूवी देख सकें.

सनत के., 7 वर्ष, मुंबई

मैं अपने दोस्तों को इस वैलेंटाइन डे पर ईकार्ड भेजने जा रही हूं, क्योंकि मैं उन से मिल नहीं सकूंगी. पहले से ही मेरे पास 5 कार्ड हैं और 10 कार्ड और हो जाएंगे.

आशिका पटेल, 8 वर्ष, इंदौर

मेरे चचेरे भाईबहन अगले अपार्ट्समैंट्स में रहते हैं. हम अपने आप को दो टीमों में विभाजित किया है. और हमारे मम्मीपापा जो हार्ट्स यानी दिल को छिपाएंगे, उन्हें हम ढूंढ़ेंगे. यह बहुत ही मजेदार होने वाला है.

मनीष कुमार., 11 वर्ष, नई दिल्ली

अब तक मेरे पास कोई भी योजना नहीं है. लेकिन मेरी बहन चूंकि मेरी वैलेंटाइन (प्यारी) है इसलिए मैं उसी के लिए एक कार्ड बनाऊंगा और इसे घर में छिपा दूंगा, इसलिए जब वह इसे ढूंढ़ लेगी तो वह बहुत ही उत्साहित हो जाएगी.

करन थापर, 10 वर्ष, बैंगलुरु

मैं ने अपने नौकरों, पोस्टमैन और वाचमैन के लिए कार्ड्स बनाए हैं. वे हमारी हर चीज का खयाल रखते हैं, महामारी के दौरान भी उन्होंने अपना कर्तव्य निभाया है. इसलिए मैं उन्हें वैलेंटाइन डे पर कार्ड्स देना चाहती हूं.

सीमा खन्ना, 9 वर्ष, पुणे

डमरू और मोनू बंदर

कहानी ● शिवेश श्रीवास्तव

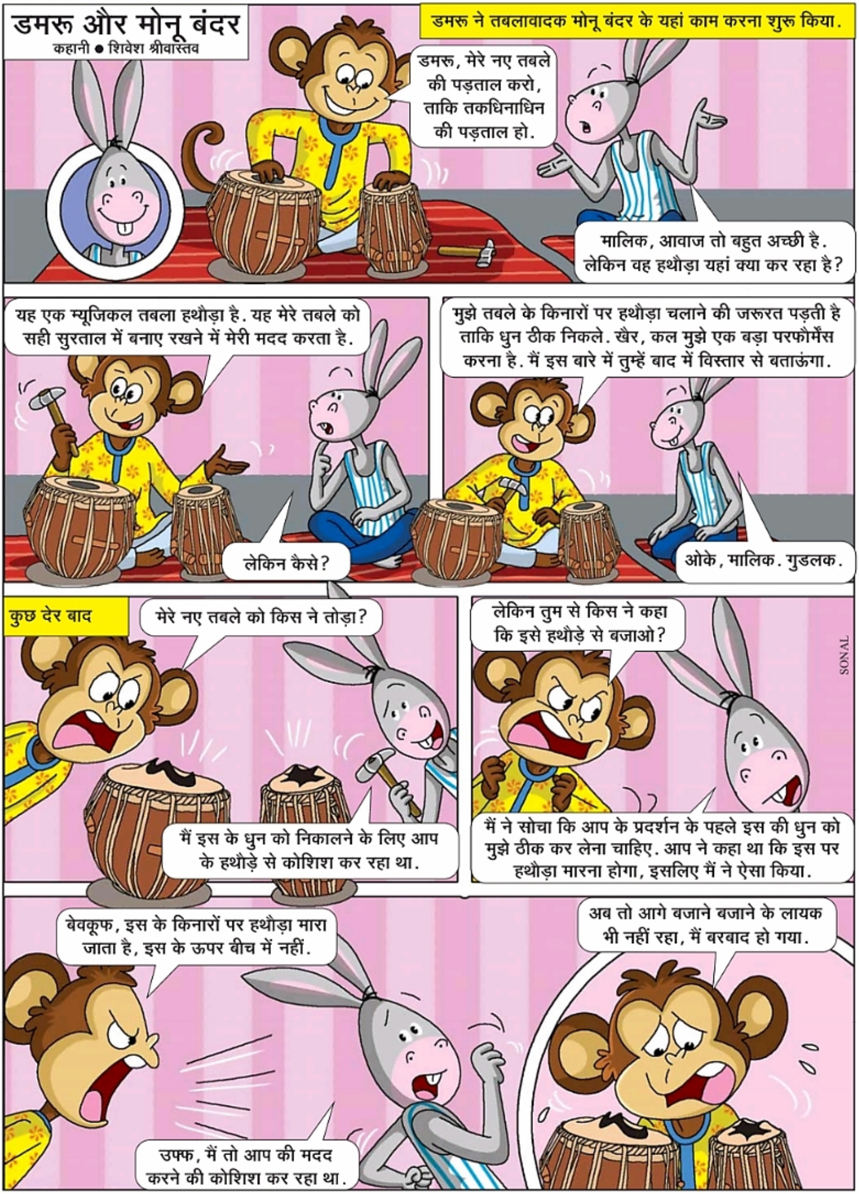
डमरू ने तबलावादक मोनू बंदर के यहां काम करना शुरू किया.
डमरू, मेरे नए तबले की पड़ताल करो, ताकि तकधिनाधिन की पड़ताल हो.
मालिक, आवाज तो बहुत अच्छी है. लेकिन वह हथौड़ा यहां क्या कर रहा है?
यह एक म्यूजिकल तबला हथौड़ा है. यह मेरे तबले को सही सुरताल में बनाए रखने में मेरी मदद करता है.
लेकिन कैसे?
मुझे तबले के किनारों पर हथौड़ा चलाने की जरूरत पड़ती है ताकि धुन ठीक निकले. खैर, कल मुझे एक बड़ा परफौर्मेंस करना है. मैं इस बारे में तुम्हें बाद में विस्तार से बताऊंगा.
ओके, मालिक. गुडलक.
कुछ देर बाद
मेरे नए तबले को किस ने तोड़ा?
मैं इस के धुन को निकालने के लिए आप के हथौड़े से कोशिश कर रहा था.
लेकिन तुम से किस ने कहा कि इसे हथौड़े से बजाओ?
SONAL
मैं ने सोचा कि आप के प्रदर्शन के पहले इस की धुन को मुझे ठीक कर लेना चाहिए. आप ने कहा था कि इस पर हथौड़ा मारना होगा, इसलिए मैं ने ऐसा किया.
बेवकूफ, इस के किनारों पर हथौड़ा मारा जाता है, इस के ऊपर बीच में नहीं.
उफ्फ, मैं तो आप की मदद करने की कोशिश कर रहा था.
अब तो आगे बजाने बजाने के लायक भी नहीं रहा, मैं बरबाद हो गया.

देखो हंस न देना

टीचर (रिशिक से) : तुम्हारी जन्मतिथि यानी डेट औफ बर्थ क्या है?

रिशिक : 25 अगस्त.

टीचर : कौन सा वर्ष?

रिशिक : हर वर्ष.

ई रिशिक, 13 वर्ष
बेल्लमपल्ली

कैंडी (सुजी से) : तुम एक खरगोश से उस के जन्मदिन पर क्या कहोगे?

सुजी : हैप्पी बर्थडे.

आयुष पुरवार, 10 वर्ष
जमशेदपुर

चीकू (मीशू से) : क्या तुम फ्लाइ (मक्खी) और मौस्क्वीटो (मच्छर) के बीच का अंतर बता सकती हो?

मीशू : मौस्क्वीटो फ्लाइ (उड) सकती है लेकिन फ्लाइ (मक्खी) मौस्क्वीटो (मच्छर) नहीं बन सकती.

पवित्र पटेल, 12 वर्ष
अहमदाबाद

किट्टू (चिंटू से) : ट्राइऐंगल यानी त्रिभुज ने वृत्त से क्या कहा?

चिंटू : मुझे नहीं पता.

किट्टू : अरे, तुम्हारा तो छोर ही नहीं है.

अक्षराश्री रविराम, 12 वर्ष
तमिलनाडु

हाहाहा हाहाहा हीहीही हीहीही

किट्टू (बंटी से) : कौन सा पक्षी पोस्टमैन का सब से बढ़िया दोस्त है?

बंटी : रोडरनर.

एच सनव कृष्ण, 6 वर्ष, चैन्नई

सैम (सैली से) : ग्राम पंचायत क्या होती है?

सैली : पंचायत वह होती है जो एक ग्राम को तौलती है.

अनिरुद्ध भागवथुला, 8 वर्ष
हैदराबाद

रामू (शामू से) : मार्बल (कंचा) एक बिल्डिंग के फर्स्ट फ्लोर से नीचे गिरता है और नूडल्स 11वें फ्लोर से गिरता है. सब से पहले जमीन पर कौन गिरेगा?

शामू : निश्चय ही सब से पहले मार्बल गिरेगा.

रामू : नहीं, नूडल्स गिरेगा क्योंकि यह फास्टफूड है.

पी कार्तिकेय अभिराम, 6 वर्ष
हैदराबाद

एक दिन राहुल और हर्षद एक होटल में बैठ कर समोसा खा रहे थे.

राहुल : तुम समोसे के सिर्फ अंदर के भाग को ही क्यों खा रहे हो?

हर्षद : क्योंकि मेरे मम्मीपापा कहते हैं कि हमें बाहरी खाना नहीं खाना चाहिए.

विक्रांत सुपेकर, 10 वर्ष
पुणे

रोहित (मोहित से) : एक बिल्ली क्या सुनना पसंद करती है?

मोहित : म्यू...जिक.

एच शिवानी, 10 वर्ष
चैन्नई

सुमन (कुमुद से) : तुम उस आदमी को क्या कहोगे जो बारिश में स्काई डाइविंग कर रहा हो?

कुमुद : रेन ड्रौप.

आदित्य बत्रा, 12 वर्ष
नोएडा

बेटा (पापा से) : पापा, मैं बाहर जा रहा हूं.

पापा : क्या तुम मुझे बता रहे हो या मेरी अनुमति के लिए पूछ रहे हो?

बेटा : मैं तो आप से रुपए के बारे में पूछ रहा हूं.

रिशिका साहा, 14 वर्ष
कोलकाता

अपनी पहेलियां, चुटकुले, चित्र या कहानी अपने नाम, उम्र, पता तथा फोन नं. के साथ लिखें:
चंपक, दिल्ली प्रेस, ए-4, श्रीराम इंडस्ट्रियल एस्टेट, वडाला, मुंबई - 400031
ईमल : writetochampak@delhipress.in
और SMS: 8657402248
औनलाइन विजिट करें :
www.facebook.com/ChampakMagazine
https://www.youtube.com/ChampakSciQ

जौय की नई यात्रा

कहानी ● सुधा विजय

पिंकी और फ्रैंक फ्लेमिंगो बहुत दूर के प्रदेश से एक नई जगह पर आए थे. वे यहां पर अपने हजारों दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ आए थे.

आने के बाद उन्होंने यहां पर अजनबीपन महसूस किया था लेकिन जल्दी ही वे इस जगह को पसंद करने लगे थे. पिंकी और फ्रैंक को तालाब के निकट खाना और नाचना पसंद था. लेकिन विगत कुछ दिनों से वे नहीं नाच रहे थे.

वे बहुत व्यस्त थे, पिंकी अपने अंडे देने को थी. ''मुझे और भी ज्यादा कीचड़ मिट्टी चाहिए,'' वह फ्रैंक पर चिल्लाती हुई बोली, जो इसे अपने चोंच में लाया था.

''मुझे उम्मीद है कि बच्चों के लिए हमारा घोंसला जल्दी ही बन जाएगा,'' पिंकी ने चिंतित होते हुए कहा.

''चिंता मत करो. हम एकसाथ मिल कर एक खूबसूरत घोंसला बना लेंगे,'' फ्रैंक ने जवाब दिया.

कई सप्ताह तक पिंकी और फ्रैंक दोनों ने मिल कर कठिन मेहनत की.

आखिर में उन का घोंसला बन कर तैयार हो गया, जिसे बनाने में उन्होंने अपने पैरों और चोंच का इस्तेमाल किया. यह लगभग 5 इंच ऊंची गुंबद के आकार का मिट्टी का टीला था.

''हमारे टीले की ऊंचाई हमारे अंडे को पानी के ऊपर रखेगी,'' फ्रैंक ने कहा.

पिंकी बोली, ''देखो, इसे सजाने के लिए मेरे पास पंख, स्ट्रौ (पुआल) और पत्थर हैं.''

''हमारा घोंसला सब से खूबसूरत घोंसलों में से एक है,'' फ्रैंक ने खुश होते हुए पिंकी से कहा.

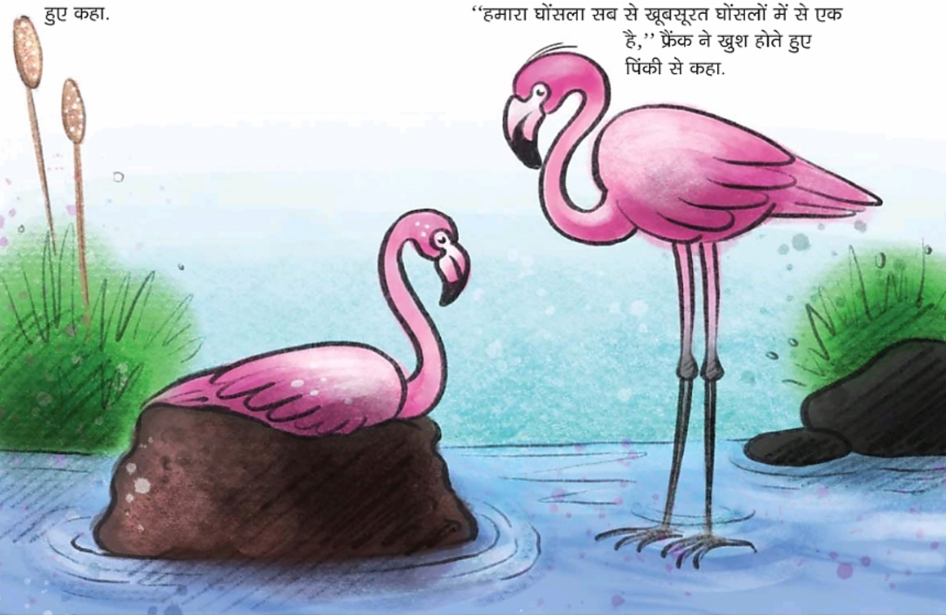

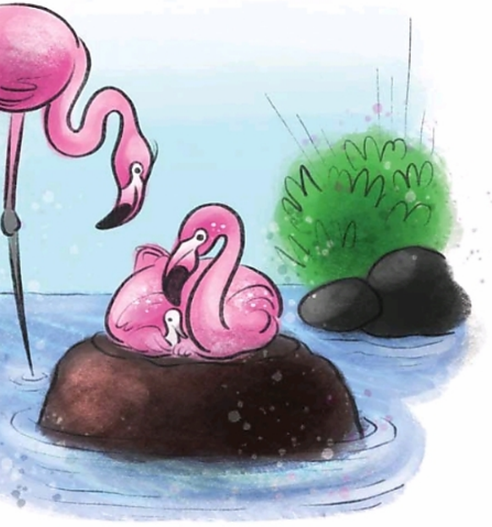

उन्होंने अपने चारों ओर देखा. उन के सभी दोस्त अभी भी अपनेअपने घोंसले बनाने में व्यस्त थे.

''हमारा घोंसला तैयार हो गया, इसलिए चलो, हम नाचते हैं,'' फ्रैंक ने कहा.

और इस के बाद वे तालाब के किनारे नाचने लगे.

कुछ सप्ताह बाद पिंकी ने अपने घोंसले में एक अंडा दिया.

''तुम जरूर थक गई होगी. अपने आप को थोड़ा आराम दो और कुछ खाना खाओ. अब मेरी बारी है कि अंडे की देखभाल मैं करूं,'' फ्रैंक ने कहा.

इस के बाद उस ने धीरे से अंडे को उलट दिया और उसे गरम रखने के लिए उस के ऊपर बैठ गया.

अंडे की देखभाल के लिए दोनों बारीबारी से अपना काम करते रहे.

एक महीने बाद अंडे में थोड़ी सी हलचल हुई.

पिंकी और फ्रैंक घबराते हुए खड़े हो गए. वे चिंतित थे.

कुछ घंटे के बाद एक नन्हा सा चूजा बाहर आया. पिंकी और फ्रैंक खुशियों से भर गए.

''चलो, अब हम अपने बच्चे का नाम जौय रखते हैं,'' फ्रैंक ने सुझाव दिया.

''यह तो बहुत ही खूबसूरत नाम है,'' पिंकी ने कहा.

उसे उन दोनों ने लाल रंग का क्रौपमिल्क पिलाया जो उन के शरीर से निकल रहा था.

''हमारा बच्चा तो बहुत छोटा और कमजोर है,'' पिंकी ने कहा.

''लेकिन वह हमेशा ऐसा नहीं रहेगा. कुछ ही दिन में वह चारों ओर चलने लगेगा,'' फ्रैंक ने उसे ढांढ़स देते हुए कहा.

5 दिन बाद जौय अपने घोंसले से बाहर निकला, वह एक बिलकुल ही नई दुनिया में था.

वह अपनी ही उम्र के चूजों के साथ चारों ओर खेलने और दौड़ने लगा. उस ने जल्दी ही 'हौ' और 'कौ' को अपना दोस्त बना लिया. वे दिन भर खेलते और जब थक जाते और उन्हें भूख लगती, तो घर लौटते.

जौय अपने मम्मीपापा की नकल करने की कोशिश करता और खाना खाता लेकिन वह सफल नहीं हो पाता था. उस की चोंच छोटी थी और उन की तुलना में सीधी थी मतलब कि उन के विपरीत थी.

''मेरी चोंच कब आप की तरह बड़ी और मुड़ी हुई होगी?'' वह अपनी मम्मी से पूछता.

''कुछ और दिन बाद मेरे दुलारे,'' पिंकी उसे जवाब देती. 6 सप्ताह बाद जौय ने देखा कि उस की चोंच थोड़ी सी मुड़ गई थी. उस ने अपनी चोंच को पानी में

डुबोया और छोटी मछली को अपने मुंह में पकड़ने में सफल हो गया. वह खुशियों से भर कर रोमांचित हो गया.

''मैं मछली खा सकता हूं, घोंघे और प्लैंकटीन खा सकता हूं,'' खुशी से नाचते हुए उस ने कहा.

जौय और उस के सभी दोस्त अब अपनेअपने मम्मीपापा की तरह खाना खा सकते थे.

''तुम कल मेरे साथ चल सकते हो,'' एक दिन फ्रैंक ने कहा.

जौय बहुत उत्साहित था. 'पापा मुझे कुछ नया खिलाने के लिए ले जाने वाले हैं,' उस ने सोचा.

वह फ्रैंक के साथ एक तालाब के पास गया, जहां फ्रैंक पानी में कूद गया.

''तुम भी कूदो,'' फ्रैंक ने उस से कहा.

''मैं पानी में नहीं कूद रहा हूं. यह बहुत ठंडा है और मुझे सर्दी पकड़ लेगी,'' डरते हुए जौय ने कहा.

उस ने फ्रैंक से दूर भागने की कोशिश की लेकिन फ्रैंक ने उस का पीछा किया और उसे पकड़ लिया.

फ्रैंक ने कहा, ''तो इस का मतलब यह है कि तुम मेरी तरह बड़ा नहीं होना चाहते हो? तुम अपनी मम्मी की तरह तब तो उड़ना भी नहीं चाहते हो?''

''नहीं, ऐसा नहीं है. मैं जरूर उड़ना चाहता हूं,'' जौय ने अपनी आंखों को चमकाते हुए कहा.

''तब तो तुम्हें तैरना सीखना होगा, इस से पहले कि तुम बड़े हो और स्वतंत्र हो जाओ, तुम्हें यह सीख लेना चाहिए,'' फ्रैंक ने कहा.

जौय के पास कोई चारा नहीं था, इसलिए उस ने हां कर दी.

कुछ ही दिन में उस ने न केवल तैरना सीख लिया बल्कि अपने मम्मीपापा की तरह सीखा कि कैसे एक पैर पर संतुलन बनाया जाता है और खड़ा हुआ जा सकता है.

कुछ और दिन गुजर गए और जौय थोड़ा और बड़ा हो गया.

फ्रैंक और पिंकी ने एक खूबसूरत ठंडी रात में उसे बातचीत के लिए अपने पास बुलाया.

''तुम बड़े हो गए हो, इसलिए तुम्हें हमारा घर छोड़ देना होगा. अब तुम अपना बचाव खुद कर सकते हो और अपनी नई जिंदगी जी सकते हो,'' फ्रैंक ने उस से कहा.

''मैं आप सभी के बिना कैसे जीवन जी सकता हूं?'' जौय रोने लगा.

''तुम जी सकते हो. तुम अब बड़े हो और मजबूत हो. कुछ ही महीने में तुम्हें अपनी पहली और लंबी उड़ान पर जाना होगा. आशा करता हूं कि तुम मुझे गौरवान्वित करोगे,'' पिंकी ने कहा.

अपनी आंखों में आंसू लिए जौय ने अपने मम्मीपापा को गुडबाय कहा और विदा ली.

यह जौय के लिए अपने मम्मीपापा की मदद के बिना एक नई जिंदगी की शुरुआत करने का एक अवसर था. वह हैरानपरेशान और उदास था. 'हौ' और 'कौ' भी जिन्हें उस ने अपना दोस्त बनाया था, उस के पास आ गए थे.

''तुम उदास क्यों हो?'' कौ ने पूछा.

''मेरे मम्मीपापा ने कहा है कि मैं बड़ा हो गया हूं,'' उस ने जवाब दिया.

''मेरे मम्मीपापा ने भी मुझ से ऐसा ही कहा है,'' कौ ने कहा.

''यह समय उदास होने का नहीं है, बल्कि नईनई जगहों की खोज करने और नई चीजों के बारे में सीखने का है,'' हौ ने कहा.

''हां, मैं ने सुना है कि नदी के उस किनारे की ओर यम्मीयम्मी, स्वादिष्ठ मछलियां हैं. हम क्यों न कल उस ओर जाएं और शानदार दावत उड़ाएं?'' कौ ने सुझाव दिया.

''तुम नदी के उस किनारे पर हमेशा जाना चाहते थे, याद है न?'' उस ने जौय को याद दिलाया.

''हां, मुझे याद है. कल से हम इस दुनिया में अपनी नई यात्रा की शुरुआत करेंगे,'' जौय ने आत्मविश्वास के साथ कहा.

''यह तो बहुत ही मजेदार और खुशियों से भरा होगा,'' उस के दोस्त खुशी से चिल्लाने लगे. सभी खुशी से नाच भी रहे थे. ●

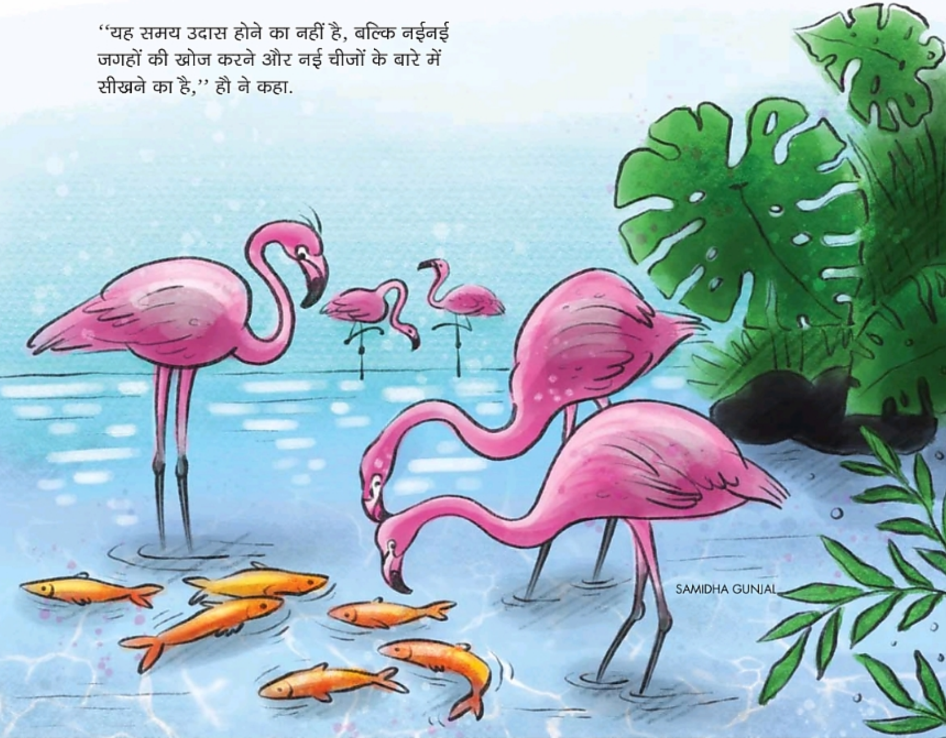

हल्दी के रंग को बदलें

आइए, एसिड यानी अम्ल और क्षार क्या होता है, पता करते हैं.

आप को चाहिए :

- कपड़े धोने वाला डिटरजैंट
- एक चम्मच नीबू का रस
- एक छोटा चम्मच
- हल्दी पाउडर
- आधा कटोरी पानी

ऐसा करें :

1. कटोरी के पानी में हल्दी पाउडर मिलाएं और इसे तब तक हिलाएं जब तक कि पानी का रंग पीला न हो जाए.

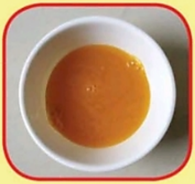

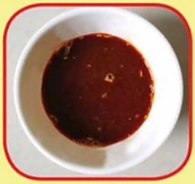

2. कटोरी में एक चम्मच डिटरजैंट मिलाएं और उसे हिलाएं.

3. उसी कटोरी में नीबू के रस को डालें और फिर से इसे हिलाएं.

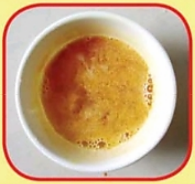

देखें :

हल्दी घुले पानी में जब डिटरजैंट मिलाया जाता है, तो यह लाल रंग का हो जाता है. इस के बाद जब उसी घोल में नीबू के रस को मिलाते हैं तो यह फिर से पीले रंग का हो जाता है.

सोचें :

हल्दी पानी कैसे अपने रंग को बदल लेता है?

कोई वस्तु अम्ल है या क्षार, यह बात आयन्स यानी विद्युत से आविष्ट कण के प्रकार पर निर्भर करती है, जो उस वस्तु में होते हैं. अगर इस में ढेर सारे हाइड्रोजन आयन्स (आवेशित अणु) हैं, तो यह अम्लीय रसायन होगा और अगर इस में ढेर सारे हाइड्रोऔक्साइड आयन्स हैं तो यह क्षारीय रसायन होगा.

हल्दी एक एसिड बेस यानी अम्लक्षारीय इंडिकेटर है जो घोल के अम्लीय या क्षारीय होने पर अपने रंग को बदलता है. हल्दी में एक रसायन होता है, जिसे करक्यूमिन कहा जाता है, जो अम्लीय या तटस्थ घोल में पीला ही बना रहता है लेकिन क्षार में जा कर यह लाल रंग का हो जाता है. जब डिटरजैंट को हल्दी में मिलाया गया तो यह लाल हो गया क्योंकि यह डिटरजैंट क्षारीय था यानी क्षार वाला रसायन था. जब नीबू के रस को लाल रंग वाले घोल में मिलाया गया तो यह पीले रंग का हो गया क्योंकि यह एक अम्लीय रसायन है.

पता करें :

हम प्रतिदिन कौन से अम्ल और क्षार का उपयोग करते हैं?

एसिटिक एसिड या वाइनेगर यानी सिरका अम्ल या सिरका क्षार एक लोकप्रिय घरेलू स्टेपल यानी कच्चामाल या सामग्री है जो अधिकांश रसोइयों में पाई जाती है. इस का इस्तेमाल पकाने के उद्देश्य से किया जाता है या फिर फलों या सब्जियों को नमकीन या अचार बनाने के लिए किया जाता है. सोडियम बायकार्बोनेट भी बहुत से किचनों यानी रसोई में पाया जाता है जिसे सामान्यतया बेकिंग सोडा के रूप में जाना जाता है. लोग केक या खाना बनाने में इस का इस्तेमाल किया करते हैं.

बताओ तो जानें

1. जब मैं युवा होता हूं
तो रहता हूं काफी लंबा
पर बूढ़ा होने पर
हो जाता हूं छोटा.

2. पंख नहीं हैं पर उड़ सकता हूं
आंख नहीं है पर रोता हूं
जहां भी जाऊं, अंधेरा फैलाता हूं
किसानों की खुशियां लाता हूं.

3. मुझे कभी फेंका नहीं जा सकता
लेकिन मुझे पकड़ा जा सकता है
किसी को मैं ने पकड़ लिया तो
मुझे खोने के तरीके खोजे जाते हैं.

4. मेरे दो हाथ तो हैं
लेकिन अफसोस
अपने को खुरच नहीं सकता
हर वक्त काम करता रहता.

देखें तुम कितना जानते हो

1. पाई के लिए इटालियन शब्द कौन सा है?
(क) पिज्जा
(ख) पीसा
(ग) पीटा
(घ) पि.

2. एक प्रश्नवाचक चिह्न के लिए सही शब्द क्या है जिस के ठीक बाद यानी तुरंत ही एक विस्मयादिबोधक चिह्न लगा हो?
(क) कोमा
(ख) अवधि
(ग) इंटेरोबैंग
(घ) सेमीकौलन.

3. किवी फ्रूट का उत्पादन किस देश में होता है?
(क) युगांडा
(ख) न्यूजीलैंड
(ग) भारत
(घ) चीन

4. अगर आप स्पेन से शुरू कर के पृथ्वी के केंद्र से होते हुए एक छेद करना शुरू करते हैं तो आप किस देश में जा कर समाप्त करेंगे?
(क) चीन
(ख) न्यूजीलैंड
(ग) दक्षिण अफ्रीका
(घ) इंडोनेशिया

उत्तर (बताओ तो जानें) : 1–मोमबत्ती, 2–बादल, 3–ठंड, 4–दीवार घड़ी.
उत्तर (देखें कितना जानते हो?) : 1–क , 2–ग, 3–घ, 4–ख.

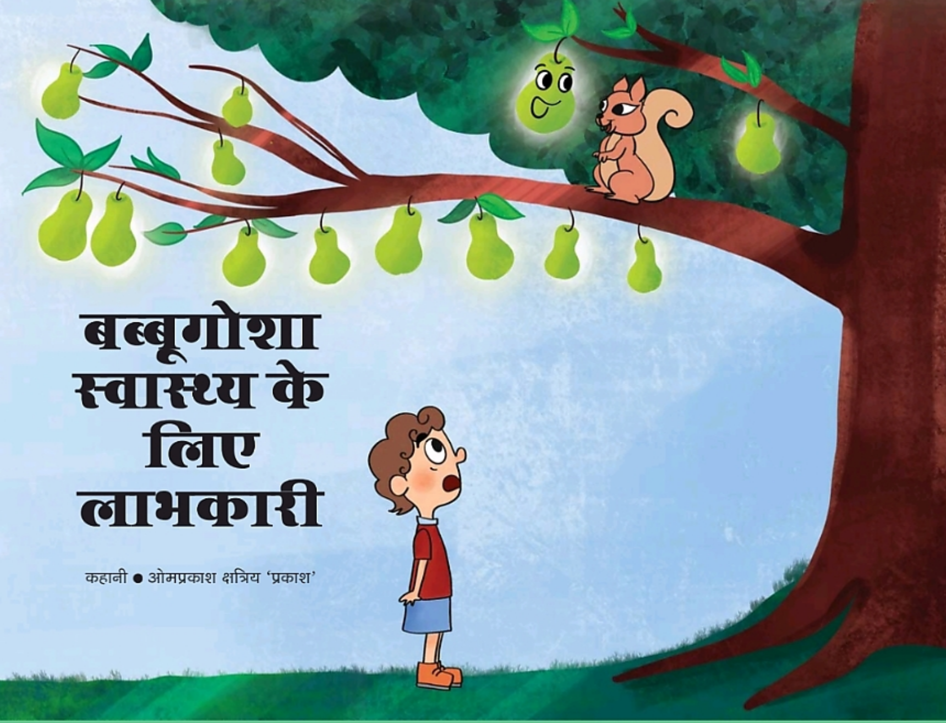

बब्बूगोशा स्वास्थ्य के लिए लाभकारी

कहानी ● ओमप्रकाश क्षत्रिय ‘प्रकाश’

मानव पहली बार अपने मामा के गांव आया था. वह खेतों में घूम रहा था. इस से पहले उस ने कभी पेड़पौधों को इतने नजदीक से नहीं देखा था. अचानक एक पेड़ ने उस का ध्यान खीचा. उस पर कई हरेहरे बल्ब जैसे फल लटके हुए थे.

‘‘अरे, यह क्या है?’’ उस ने हरे बल्ब जैसे फल को देखते हुए कहा. उस के पास कोई जवाब नहीं था. उस के सवाल का जवाब देने के लिए कोई नहीं था. लेकिन उस ने ध्यान से देखा तो उस पेड़ पर एक गिलहरी घूम रही थी.

‘क्या हाल है गिगी? तुम बड़ी कमजोर लग रही हो?’’ कोई कह रहा था.

मानव ने ध्यान से ऊपर देखा. वहां पर एक हरा बल्ब गिलहरी से कुछ बात कर रहा था. उस ने ध्यान से सुना. गिगी कह रही थी, ‘‘मैं इन दिनों बहुत बीमार हूं. शायद इसीलिए कमजोर लग रही हूं.’’

‘‘क्यों, क्या हुआ तुम्हें?’’

‘‘दरअसल, मेरे पेट में बहुत दर्द है,’’ यह सुन कर हरे बल्ब के आकार के फल ने कहा,

''मेरे फल को खा लो. इस से तुम जल्दी ठीक हो जाओगी.''

''वाकई, ऐसा हो सकता है?'' गिगी की आंखों में चमक आ गई.

''हां, हो सकता है. मैं ठीक कह रहा हूं,'' वह हरे बल्ब के आकार का फल बोला, ''मुझे बब्बूगोशा कहते हैं. जानती हो मुझ में फाइबर ज्यादा होता है. जो पेट की आंतों को मजबूत करता है. इस से पेट की बीमारी दूर हो जाती है. लगता है कि तुम्हें अपच हो गई है.''

''हां, तुम ठीक कहते हो,'' गिगी ने फल खाते हुए कहा, ''तुम तो बहुत कोमल हो. स्वाद भी बढ़िया और मीठा है.''

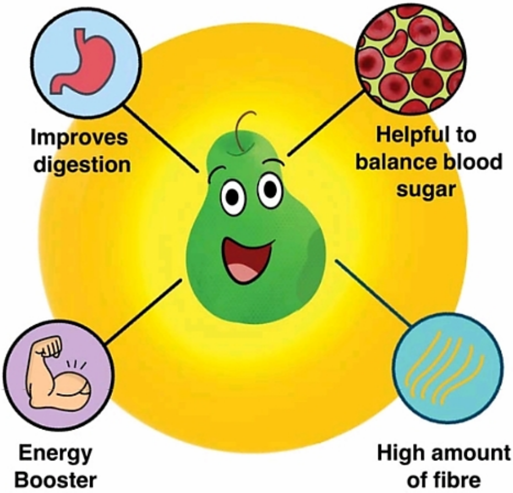
Improves digestion
Helpful to balance blood sugar
Energy Booster
High amount of fibre

''हां.'' बब्बूगोशे ने कहा.

''लेकिन मैं तो तुम्हें पहले नाशपाती समझ रहा था,'' गिगी ने कहा तो बब्बूगोशा हंस कर बोला, ''मैं उसी फल की एक किस्म हूं.''

''अच्छाअच्छा,'' कहते हुए गिगी ने उस के नरमनरम फाइबर को तेजी से खाना शुरू कर दिया. वह उसे बहुत अच्छा लग रहा था. तभी गिगी ने डर कर पूछा, ''कहीं तुम में चीनी यानी शूगर की मात्रा ज्यादा तो नहीं है?''

''अरे नहीं, तुम इस की चिंता मत करो,'' बब्बूगोशा ने कहा.

गिगी बोली, ''मैं इसलिए पूछ रही थी कि क्या इसे डाइबिटीज वाले भी खा सकते हैं?''

''हांहां, क्यों नहीं,'' बब्बूगोशा बोला, ''मुझे खाने से शूगर नियंत्रित होती है. मेरे नियमित सेवन से मोटापा कम होता है. यदि आप को कैंसर होने की आशंका हो तो मेरा नियमित सेवन कर के कैंसर से बच सकते हैं.

यह सुन कर पेड़ के नीचे बैठा मानव चौंका. वह ज्यादा मोटा हो गया था. कई किलोमीटर दौड़ने पर भी उस का मोटापा कम नहीं हो रहा था. इस से उसे सांस लेने में तकलीफ होती थी. उस ने बहुत कोशिश की मगर उस का मोटापा कम नहीं हुआ.

वह डाक्टर के पास गया और उस से सलाह ली, उस ने कहा, ''मानव यदि

तुम अपना मोटापा नहीं घटा पाए तो तुम्हें कई बीमारियां हो सकती हैं. इस कारण तुम ज्यादा खेलनेकूदने और घूमनेफिरने पर ध्यान दो.

''हो सके तो गांव चले जाओ. वहां खेत में काम करना शुरू कर दो. इस से तुम्हारी कसरत हो जाएगी. जितना खाओगे उस से ज्यादा की कैलोरी जलने से तुम्हारा वजन कम हो जाएगा.''

यह याद आते ही मानव खुश हो गया. उसे डाक्टर ने मीठा खाने से मना कर रखा था. लेकिन गिगी की बात सुन कर उसे खुशी हुई. वह अपने मीठे खाने की चाहत को इस फल को खा कर मिटा सकता था.

इसलिए उस ने झट से पेड़ के नीचे पड़े एक फल को उठाया. उस ने उस का आकार देखा तो वह बल्ब जैसा था. बस रंग हरा था. उस ने उसे उठाया. पानी से धोया. फिर एक कपड़े से पोंछा और मुंह में दबा लिया.

'अरे वाह, यह तो बहुत ही मुलायम और मीठा है,' वह अपने आप से बोला, 'गिगी ने ठीक कहा था. यह बड़ा स्वादिष्ठ भी है.'

वह मन ही मन बुदबुदाने लगा, 'खाने में अच्छा है. मजा आ गया.' उस ने 3-4 बब्बूगोशे उठा कर खा लिए.

वह थक कर कुछ देर पेड़ के नीचे बैठा रहा.

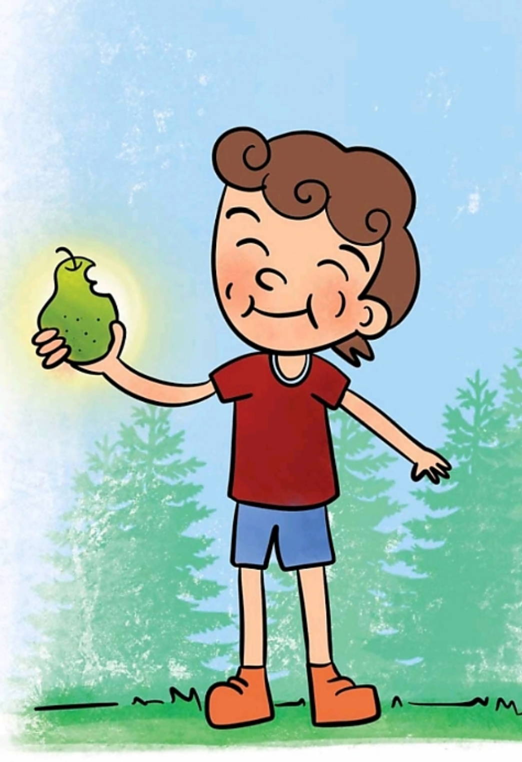

तभी उसे नींद आ गई. वह बहुत देर तक सोया रहा. जब उठा तो देखा कि गिगी पेड़ पर दौड़ लगा रही थी.

''बब्बूगोशा धन्यवाद, तुम ने ठीक कहा था कि तुम्हें खाने से मेरा पेट दुखना ठीक हो जाएगा,'' गीगी ने कहा, अब मेरा पेट साफ हो गया है. तुम्हें खाने से मेरे चेहरे पर चमक आ गई है.''

इस पर बब्बूगोशा ने मुसकराते हुए उसे समझाया, ''यह मेरे अंदर उपस्थित विटामिन

सी, के, बी और अन्य कई पदार्थों के साथसाथ उपस्थित फाइबर तथा एंटीऔक्सीडेंट की वजह से यह संभव हो पाया है,’’ यह कहते हुए बब्बूगोशा ने मानव को इशारा किया जो पेड़ की छाया में सो रहा था.

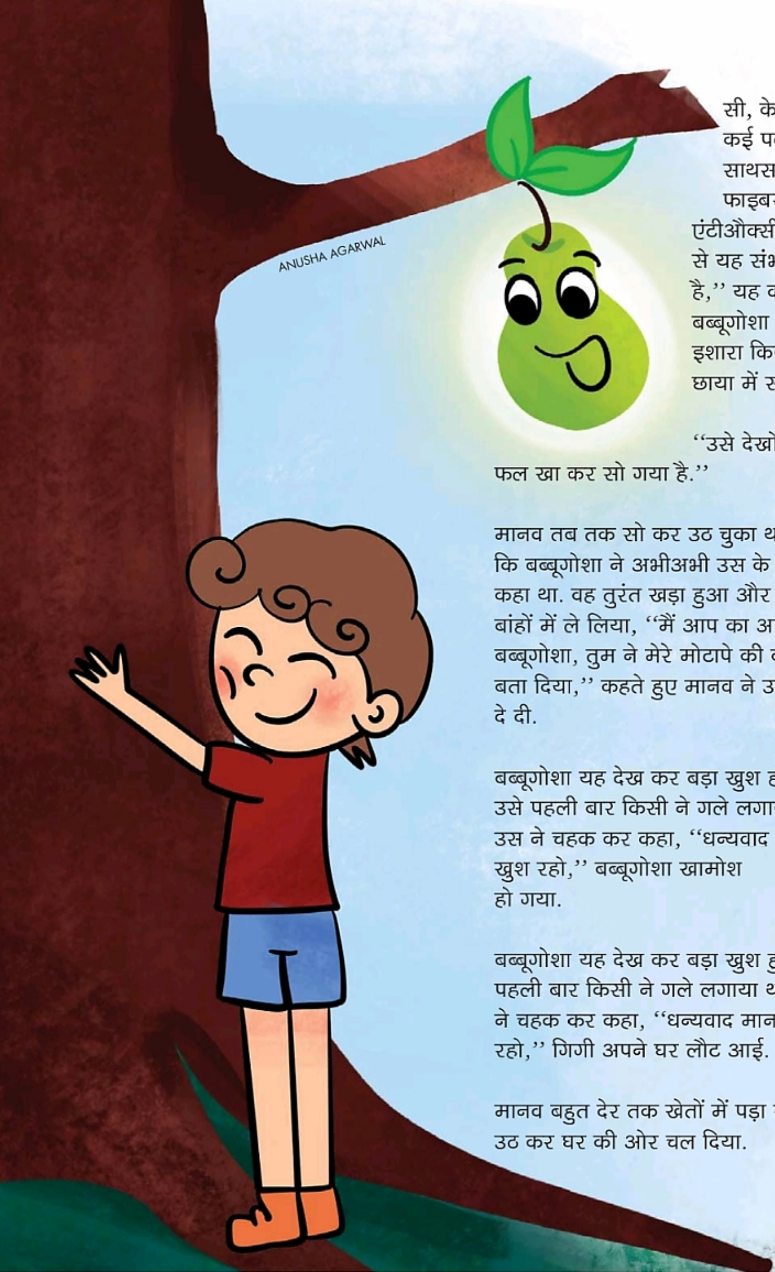
ANUSHA AGARWAL

‘‘उसे देखो, वह भी मेरा फल खा कर सो गया है.’’

मानव तब तक सो कर उठ चुका था. उस ने सुना कि बब्बूगोशा ने अभीअभी उस के बारे में क्या कहा था. वह तुरंत खड़ा हुआ और पेड़ को अपनी बांहों में ले लिया, ‘‘मैं आप का आभारी हूं. बब्बूगोशा, तुम ने मेरे मोटापे की बीमारी का हल बता दिया,’’ कहते हुए मानव ने उसे दो बार पप्पी दे दी.

बब्बूगोशा यह देख कर बड़ा खुश हो गया. आज उसे पहली बार किसी ने गले लगाया था. इसलिए उस ने चहक कर कहा, ‘‘धन्यवाद मानव, सदा खुश रहो,’’ बब्बूगोशा खामोश हो गया.

बब्बूगोशा यह देख कर बड़ा खुश हुआ. आज उसे पहली बार किसी ने गले लगाया था. इसलिए उस ने चहक कर कहा, ‘‘धन्यवाद मानव, सदा खुश रहो,’’ गिगी अपने घर लौट आई.

मानव बहुत देर तक खेतों में पड़ा रहा. फिर वह उठ कर घर की ओर चल दिया.

छिपे चित्र ढूंढ़ें

ओज्जी औक्टोपस और उस के दोस्तों ने आप के लिए 10 वैलेंटाइन डे गिफ्ट्स छिपा रखे हैं. उन्हें आप ढूंढ़ें.

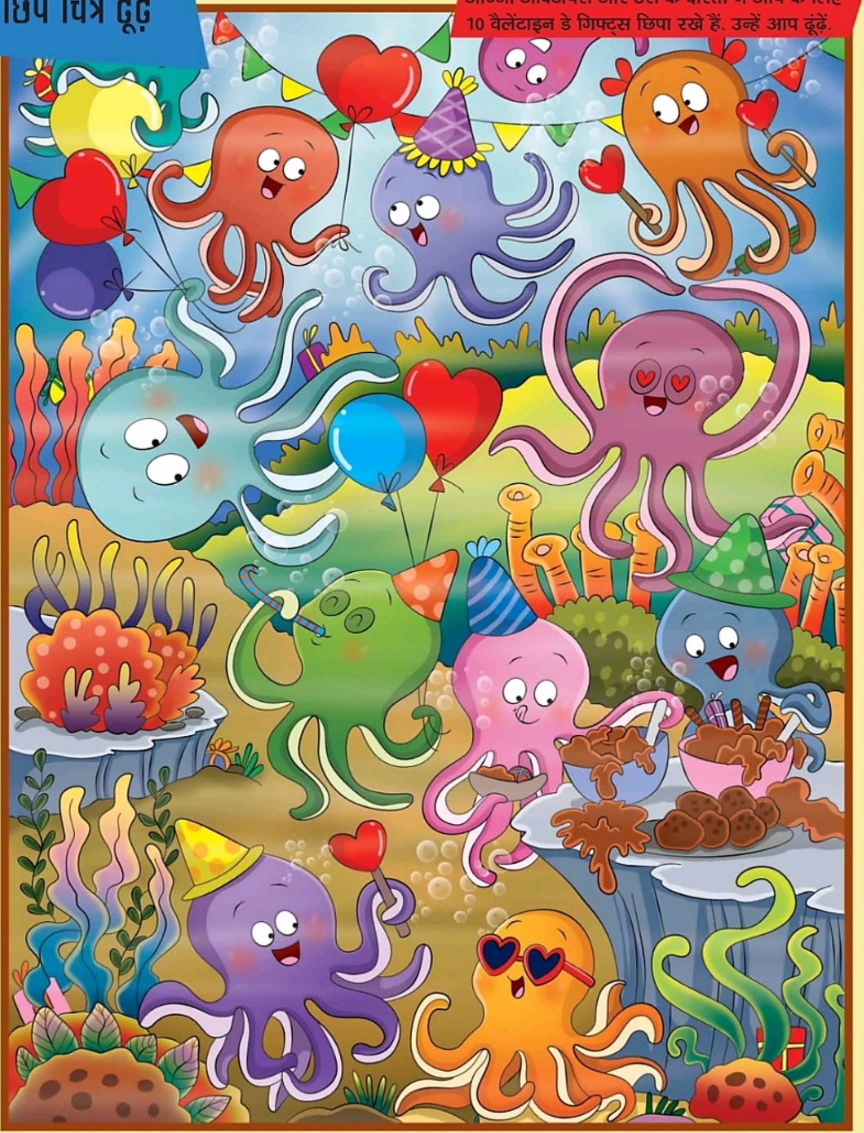

उत्तरः अंतिम पृष्ठ पर देखें.

चीकू

चित्रकथा : दास

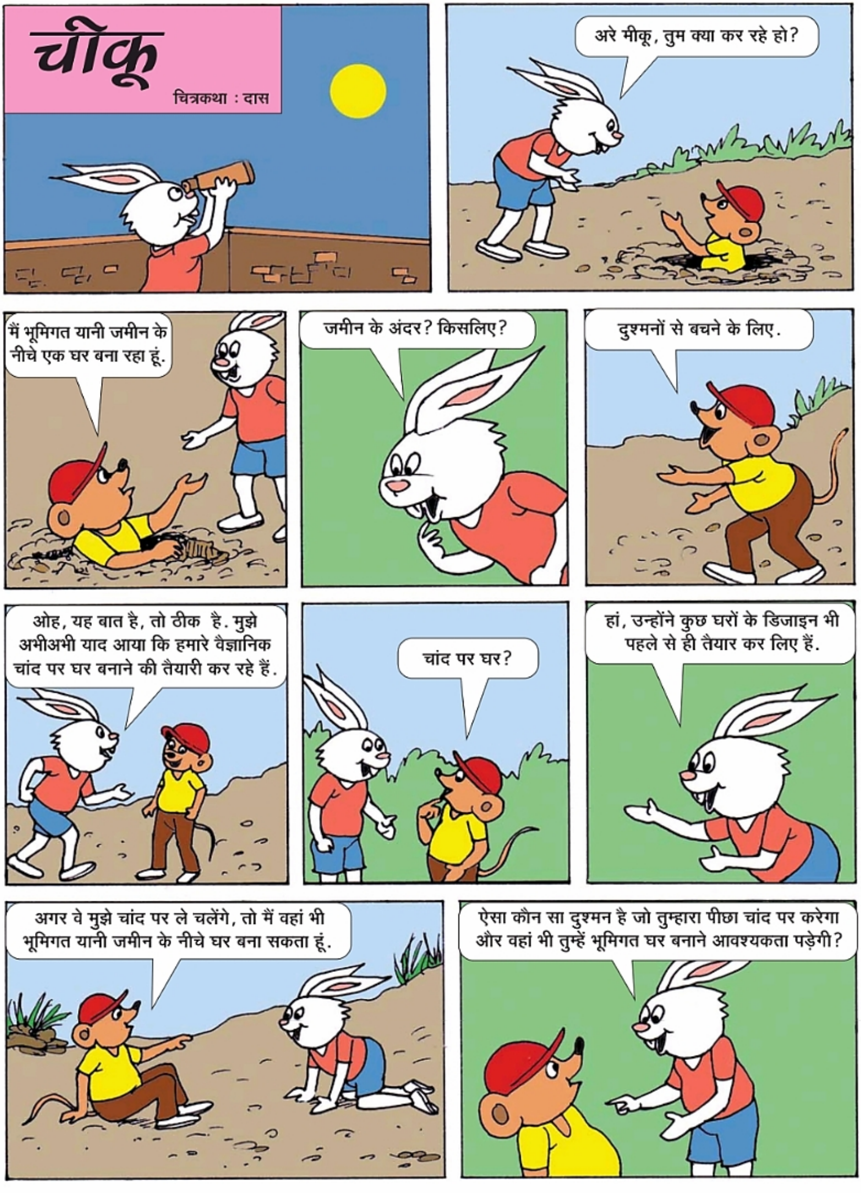
अरे मीकू, तुम क्या कर रहे हो?
मैं भूमिगत यानी जमीन के नीचे एक घर बना रहा हूं.
जमीन के अंदर? किसलिए?
दुश्मनों से बचने के लिए.
ओह, यह बात है, तो ठीक है. मुझे अभीअभी याद आया कि हमारे वैज्ञानिक चांद पर घर बनाने की तैयारी कर रहे हैं.
चांद पर घर?
हां, उन्होंने कुछ घरों के डिजाइन भी पहले से ही तैयार कर लिए हैं.
अगर वे मुझे चांद पर ले चलेंगे, तो मैं वहां भी भूमिगत यानी जमीन के नीचे घर बना सकता हूं.
ऐसा कौन सा दुश्मन है जो तुम्हारा पीछा चांद पर करेगा और वहां भी तुम्हें भूमिगत घर बनाने आवश्यकता पड़ेगी?

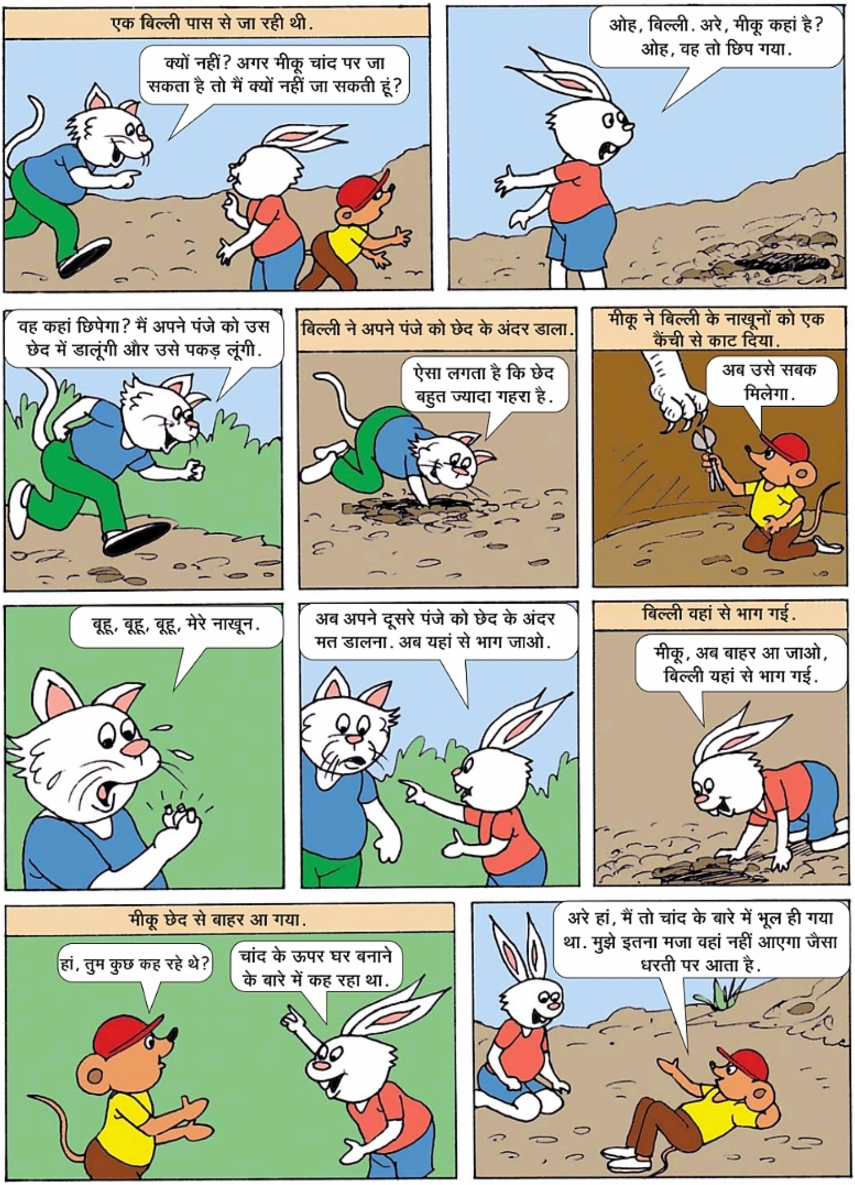
एक बिल्ली पास से जा रही थी.
क्यों नहीं? अगर मीकू चांद पर जा सकता है तो मैं क्यों नहीं जा सकती हूं?
ओह, बिल्ली. अरे, मीकू कहां है? ओह, वह तो छिप गया.
वह कहां छिपेगा? मैं अपने पंजे को उस छेद में डालूंगी और उसे पकड़ लूंगी.
बिल्ली ने अपने पंजे को छेद के अंदर डाला.
ऐसा लगता है कि छेद बहुत ज्यादा गहरा है.
मीकू ने बिल्ली के नाखूनों को एक कैंची से काट दिया.
अब उसे सबक मिलेगा.
बूहू, बूहू, बूहू, मेरे नाखून.
अब अपने दूसरे पंजे को छेद के अंदर मत डालना. अब यहां से भाग जाओ.
बिल्ली वहां से भाग गई.
मीकू, अब बाहर आ जाओ, बिल्ली यहां से भाग गई.
मीकू छेद से बाहर आ गया.
हां, तुम कुछ कह रहे थे?
चांद के ऊपर घर बनाने के बारे में कह रहा था.
अरे हां, मैं तो चांद के बारे में भूल ही गया था. मुझे इतना मजा वहां नहीं आएगा जैसा धरती पर आता है.

बिंदु मिलाओ

अंकों के अनुसार बिंदुओं को मिलाएं और चित्र को पूरा करें.

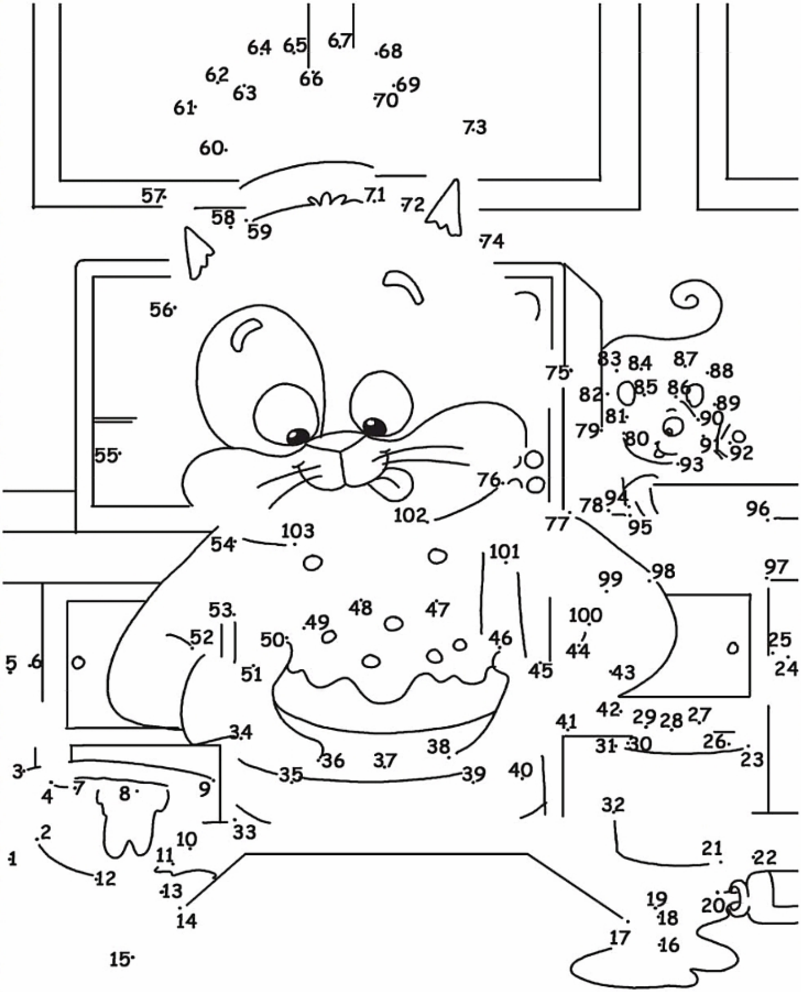
1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100
101
102
103

शालिनी की मदद करें

14 फरवरी को वैलेंटाइन डे है. शालिनी को अपनी मम्मी और बहन के साथ इस दिन को मनाने के लिए 10 चीजों को इकट्ठा करना है. सभी चीजों से होते हुए एक सिंगल लाइन खींचें और घर तक पहुंचने में शालिनी की मदद करें.

क्या आप चीजों को देख सकते हैं और अंदाजा लगा सकते हैं कि वे वैलेंटाइन डे पर क्या कर रहे हैं?

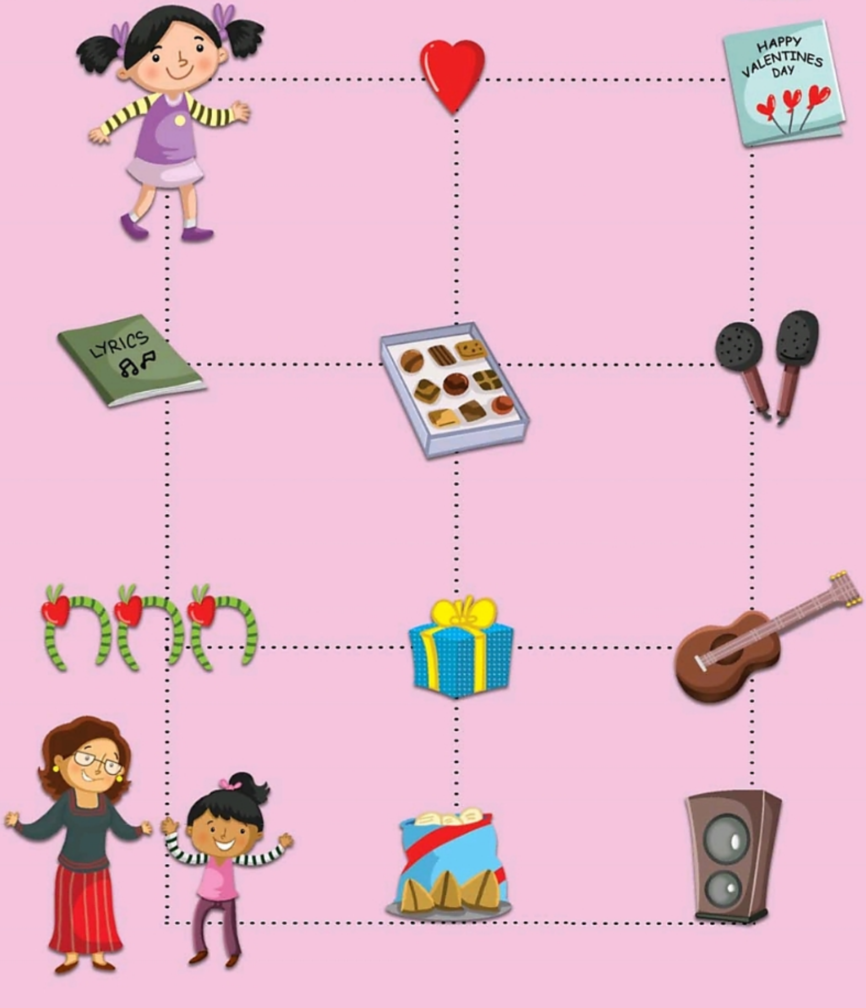
HAPPY VALENTINES DAY
LYRICS

अक्ल बड़ी या भैंस

कहानी ● इलिका प्रिय

''मां, मेरा रंग इतना गहरा क्यों है?'' बैरी भैंस ने उदास हो कर पूछा.

''हां बेटा, क्योंकि हम भैंस हैं पर रंग से क्या होता है, मेरा बेटा तो बहुत समझदार है.''

मां की बातों से उत्साहित हो कर बैरी का मन हल्का हो गया, वह इतराता हुआ कमरे से बाहर चल पड़ा.

''सभी उस के रंग का मजाक उड़ाते हैं तो क्या? मां जो कहती हैं, वह बिलकुल सही है. ऐसा मजाक बनाने वाले खुद मूर्ख होते हैं और उन की बातों पर ध्यान नहीं देना चाहिए,'' बैरी यह सोच कर खुश हो गया.

पर जैसे ही वह जंगल पहुंचा, कुछ जानवर उसे देख कर हंस पड़े. उसे बहुत बुरा लगा.

तभी मोंटी बंदर उस के पास आया और हंसता हुआ बोला, ''मुझे एक बात बताओ न बैरी अक्ल बड़ी या भैंस?''

उस से पहले बैरी कुछ कहता, तभी डफी बंदर भी उछलता हुआ आ धमका और बोला, ''अरे, यह बात छोड़ो, बस यह बता दो, रात ज्यादा काली है या तुम?'' इतना कह कर वह जोर से हंसा. दूसरे जानवर भी हंस पड़े.

बैरी ने गुस्से में उसे दौड़ाया, तो वह पेड़ पर चढ़ कर बैठ गया.

दरअसल, अकसर जानवर उस का ऐसा ही मजाक बनाया करते थे. बैरी को बहुत गुस्सा

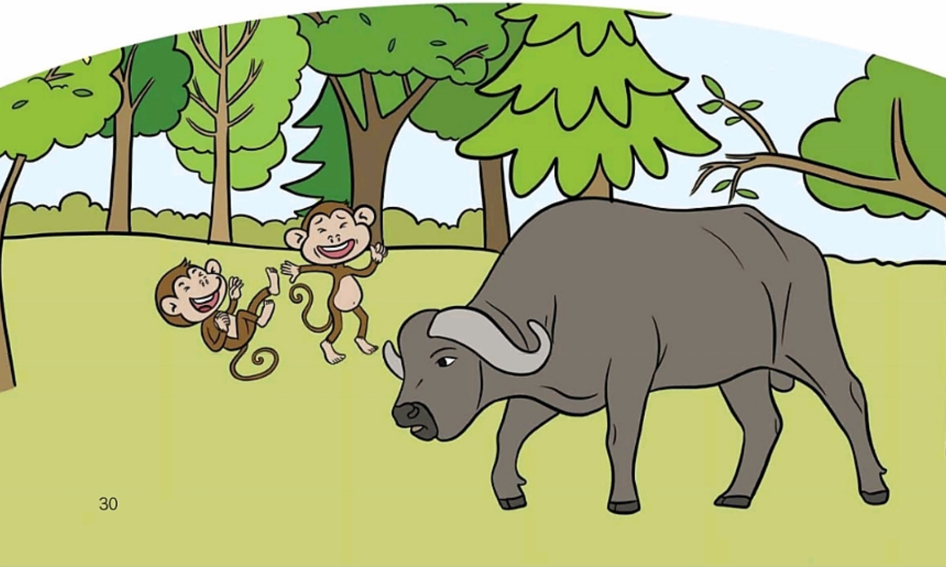

आया, पर फिर उसे मां की बात याद आ गई और वह शांत हो गया. वैसे भी यह तो रोज की ही बात थी.

गरमी के दिनों जब वह कीचड़ में जाता था, तब भी सभी उसे देख कर हंसते थे, कुछ जानवर तो उस के पास भी नहीं आते थे जैसे उस से घृणा कर रहे हों. सभी भैंसे वर्षों से चुपचाप यह सब सहते थे, पर बैरी को यह बिलकुल अच्छा नहीं लगता था. तो उसे गुस्सा आता या वह उदास हो कर बैठ जाता. आज भी वह उदास हो कर नदी किनारे जा बैठा.

बैरी के चले जाने के बाद मोंटी और डफी पेड़ से नीचे उतर आए. रास्ते में उन्हें केले का बागान मिला. एकसाथ इतने केले देख कर वे जोश से उछल पड़े.

''इतने सारे केले,'' वे दोनों केले के गुच्छे की ओर लपके पर जैसे ही उन्होंने केले उठाए, बैरी भी वहां आ धमका. दोनों केले ले कर पेड़ पर चढ़ गए.

''रुको, केले मत खाओ,'' बैरी ने चेतावनी दी.

''हम केले क्यों न खाएं?'' मोंटी ने अंगूठा दिखा कर इशारा करते हुए पूछा.

''क्योंकि उन केलों से मुझे किसी कैमिकल की गंध आ रही है और यहां पर इंसान की गंध,'' बैरी ने सूंघते हुए नाक सिकोड़ी.

''वाह, हम तुम मूर्ख भैंसों की बात पर विश्वास नहीं करते हैं,'' इतना कह कर दोनों हंसे और मजे से केले खाने लगे. बाकी जानवर भी बैरी की बात पर हंस पड़े.

''जाने यह बुद्धू भैंसा क्या दिमाग लगा रहा था?'' वे बुदबुदाए.

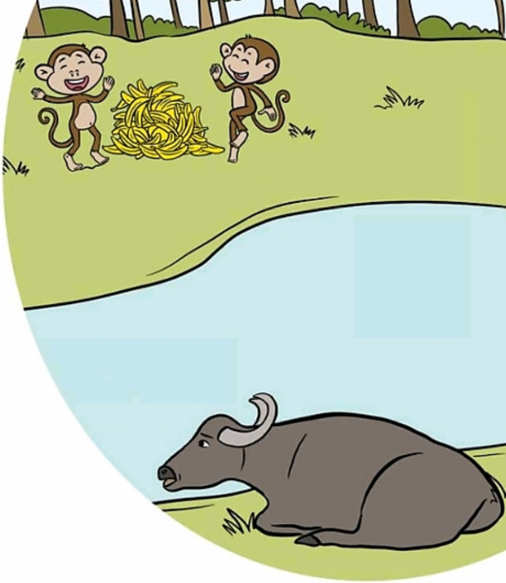

मोंटी और डफी ने जैसे ही केले खाए चक्कर खा कर वे जमीन पर आ गिरे. मोंटी के सिर पर चोट भी लगी, पर दोनों बेहोश हो गए. इतने में झाड़ियों के बीच से दो शिकारी निकले. मोंटी और डफी के हाथपैर बांध कर वे उन्हें अपने साथ ले कर नदी के किनारे चल पड़े.

''मैं ने नदी के किनारे एक नाव देखी थी, तभी मुझे शक हुआ था कि जरूर कोई शिकारी आया है, फिर मुझे केलों से भी कैमिकल की गंध आई और मैं ने इन दोनों को इस बारे में चेतावनी भी दी, लेकिन उन्होंने नहीं सुना. अब परिणाम देखें,'' बैरी बडबड़ाया.

ऐसा लग रहा था जैसे बंदर बहरे हों. अन्य जानवरों ने भी बैरी को मूर्ख समझा.

''अब उन्हें बचाने के लिए हमें भी शिकारियों के पीछे जाना होगा,'' बैरी ने अन्य जानवरों से कहा.

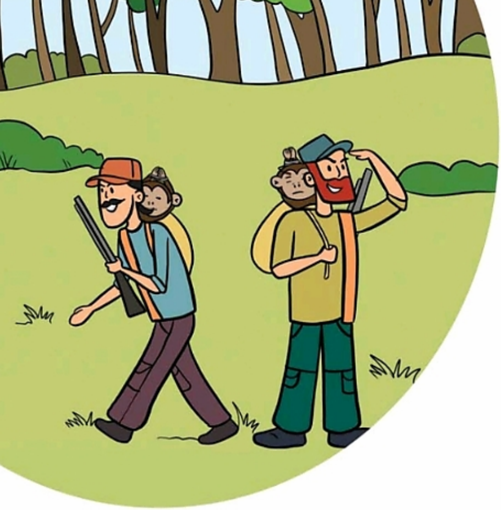

‘‘उन के पास बंदूक है, भला कौन अपनी जान जोखिम में डालेगा?’’ हिना लोमड़ी से पूछा और अन्य जानवरों ने सिर हिलाया.

जब बैरी ने देखा कि कोई भी आगे आने को तैयार नहीं है, तब वह बोला, ‘‘ठीक है. मैं ही अकेला उन शिकारियों का पीछा करूंगा, वैसे भी हमारी सूंघने की शक्ति जितनी अच्छी है, उतनी ही अच्छी तैरने की क्षमता भी है. ये शिकारी जब तक यहां रहें, सतर्क रहें और अपनी बंदूक तैयार रखना, पर जैसे ही ये नदी के उस पार जाएंगे, ये लापरवाह हो जाएंगे. जब उन का ध्यान न रहेगा, मैं इन दोनों की रस्सी खोल दूंगा और हम तैर कर इस पार आ जाएंगे.’’

इतना कह कर बैरी शिकारियों के पीछे चल पड़ा. जब शिकारी नाव पर बैठ कर नदी के उस पार जा रहे थे, बैरी भी नदी पार कर रहा था. जब शिकारी दूसरे तट पर पहुंच गए, उन्होंने अपनी बंदूकें नाव पर ही रख दीं और थोड़ा आराम करने के लिए अपने तंबू की ओर चले गए. मोंटी और डंपी अभी नाव में थे और जाग रहे थे.

जैसे ही शिकारी तंबू में घूसे, बैरी ने दोनों बंदूकें पहले पानी में फेंक दीं, फिर मोंटी और डफी भी नाव में थे और जाग रहे थे. फिर मोंटी और डफी की रस्सी भी खोल डाली और वह धीरे से बोला, ‘‘चलो यार, जल्दी भागो.’’

‘‘पर हमें तैरना तो नहीं आता,’’ दोनों ने मायूस हो कर कहा.

‘‘तुम दोनों मेरी पीठ पर बैठ जाओ,’’ बैरी के कहने पर दोनों उस की पीठ पर बैठ गए और बैरी नदी में कूद पड़ा. वह अच्छी तरह तैरना जानता था, पर इतना वजन ले कर वह पहली बार तैर रहा था. कई बार ऐसा लगा कि अब डूब ही जाएगा, पर फिर वह संभला और अंततः इस छोर पर पहुंच ही गया. जंगल पहुंचते ही मोंटी और डफी ने जमीन पर छलांग लगाई. बैरी पूरी तरह बेहाल हो चुका था.

‘‘दोस्त, तुम कितने अच्छे हो. तुम एक बहादुर, समझदार, बुद्धिमान और बहुत ही अच्छे प्राणी हो. हम तुम्हारे रंग, रहनसहन को ले कर मूर्खों की तरह तुम्हारा मजाक बनाते रहे. कितने मूर्ख और बुरे हैं हम,’’ मोंटी और डफी दोनों की आंखों में आंसू आ गए थे.

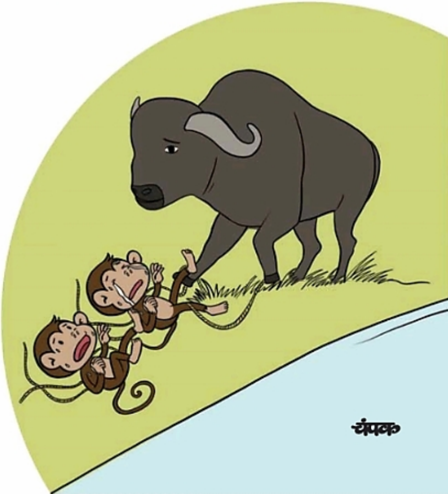

WHITEDOTGINGER

‘‘दोस्तो, मुझे तुम लोगों से कोई शिकायत नहीं. पर हां, मुझे इतना जरूर कहना है हमारे बीच कुछ बेकार की धारणाएं रहती है, जिन्हें हमें बदलना चाहिए. अकसर हम किसी के रंग, रूप, रहनसहन, क्षमता को ले कर मजाक बनाते रहते हैं, पर किसी के व्यवहार से उस की पहचान बनानी चाहिए, इन सारी चीजों से नहीं. मैं सारे दोस्तों से यी कहूंगा कि ऐसी छोटी सोच हमें जरूर बदलनी चाहिए और रंगरूप व रहनसहन को ले कर किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं करना चाहिए,’’ बैरी ने एक ही सांस में अपने दिल की बात कह डाली.

सारे जानवर उस की बात ध्यान से सुन रहे थे. सभी को आश्चर्य हो रहा था कि जिस बैरी को वे अब तक मूर्ख समझते थे, वह कितना समझदार है.

‘‘ठीक कहा बैरी, इन के बुरे व्यवहार के बाद भी तुम ने इन के लिए अपनी जान तक की बाजी लगा दी,’’ हीना ने कहा.

‘‘हमें आप की क्षमता के बारे पता नहीं था, आप की शानदार सोच की तो बात ही छोड़िए,’’ उस ने कहा.

‘‘तुम्हारी बहादुरी का कुछ तो इनाम मिलना चाहिए बैरी,’’ रोरो खरगोश ने कहा.

‘‘आज से अपनी ऐसी बेकार सोच सभी बदल डालो,’’ बैरी ने जैसे ही कहा वहां तालियों की गड़गड़ाहट गूंज उठी. देखते ही देखते बैरी आज का हीरो बन चुका था.

उस दिन के बाद ही सब ने बैरी का मजाक उड़ाना बंद कर दिया, हर जानवर एकदूसरे का मजाक नहीं उड़ाता था. सभी को अपने प्यारे दोस्त बैरी से किया वादा जो पूरा करना था. ●

चित्र पूरा करें

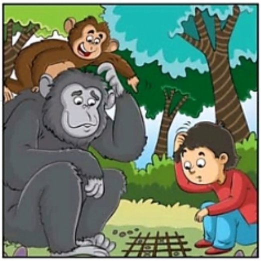

इस चित्र में कुछ
हिस्से खाली रह गए
हैं. चित्र को देखें, उन्हें
पूरा करें और फिर
इन में रंग भरें.

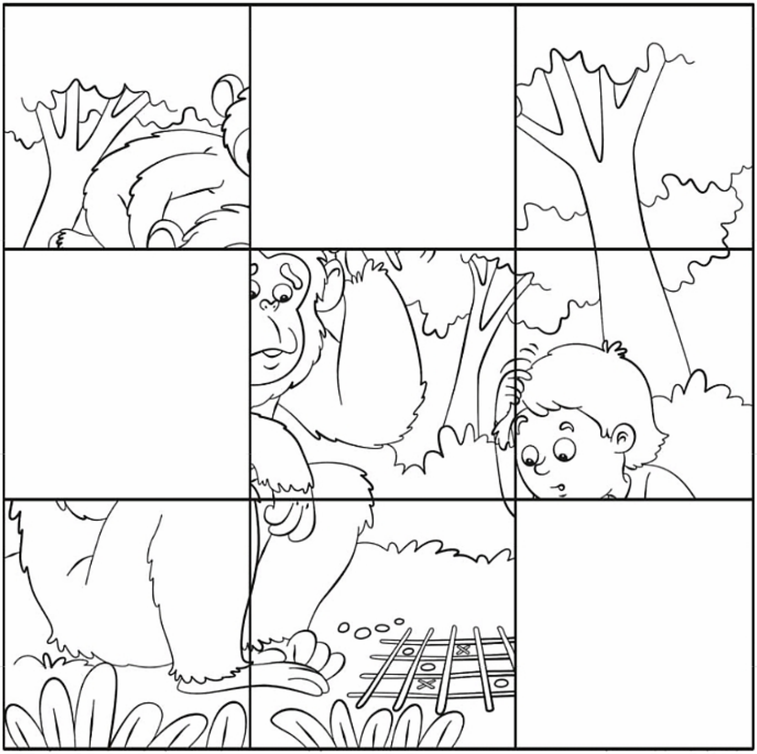

आप के सवाल मेनका आंटी के जवाब

मेनका आंटी पशुपक्षियों से बहुत प्यार करती हैं. अब आप के सवालों का जवाब मेनका आंटी देंगी. जैसे पशुपक्षियों को खाना कैसे खिलाएं, उन से कैसे प्यार करें, कैसे उन की देखभाल करें आदि. वे एक सांसद तो हैं ही, कुशल पर्यावरणविद् भी हैं.

जानवर हमारी धरती के निवासी हैं, जितना कि हम हैं. हम उन का शिकार न कर या उन के अंगों का इस्तेमाल न कर उन का सम्मान करते हैं, तो हम अपने ग्रह और प्रकृति के प्रति सम्मान दर्शाते हैं. जिन पशुओं तथा जानवरों को हम पालतू जानवर के रूप में रखते हैं, वे पूरी तरह से हम पर निर्भर रहते हैं और उन्हें वैसे ही प्यार और सम्मान देना चाहिए जैसे हम अपने भाईबहनों को देते हैं. पक्षियों और मछलियों को पालतू जानवर के रूप में न रखें, उन्हें पिंजरे में कैद करना और दयनीय बनाना अच्छा नहीं है.

मेनका संजय गांधी

मैं ने हाल ही में एक कुत्ते को गोद लिया है और वह मेरी सोसायटी में अन्य कुत्तों के साथ खेलना पसंद नहीं करता है. कुछ दूरी से वह भूंकता है, लेकिन जब अन्य कुत्ते उस के पास आते हैं तो वह बिल्डिंग के अंदर भाग जाता है और छिप जाता है. क्या वह डरा हुआ या लजालु है?

कीथ डिसूजा, 8 वर्ष, बैंगलुरु

वह डरा हुआ और लजालु है. आप को चाहिए कि आप उसे खुद ही अपनी शर्तों पर धीरेधीरे किसी को दोस्त बनाने दें. जब वह बाहर आए तो आप दूसरे कुत्तों को खाना खिला सकते हैं ताकि वे भी उस के साथ खाना खाते हुए जुड़ जाएं और वे उसे दोस्त बनाने को तैयार हो जाएं.

मेरे घर के आसपास रात में बहुत सारे कुत्ते जमा हो जाते हैं और भौंकना शुरू कर देते हैं. वे एकसाथ ऐसा क्यों करते हैं?

भूमि, 10 वर्ष, बीकानेर

वे उत्साहित होते हैं और एकदूसरे का ध्यान खींचने और जवाब देने के लिए ऐसा करते हैं. यह जाहिर है कि वे आप के घर के बाहर खुद को सुरक्षित महसूस करते होंगे. यह तो बहुत ही अच्छा होगा अगर आप उन्हें शाम को खाना खिला सकें. बिस्कुट तो बिलकुल नहीं, क्योंकि बिस्कुट कुत्तों के लिए बहुत ही हानिकारक होते हैं, इस की जगह उचित खाना खिलाएं.

यदि आप पालतू जानवरों, पशुपक्षियों के बारे में कुछ भी पूछना चाहें, तो अपने प्रश्न हमें भेजें, मेनका आंटी हर प्रश्न का जवाब देंगी.

✉ **writetochampak@delhipress.in**

☎ **8657402248**

लवलैंप

स्मार्ट

14 फरवरी को वैलेंटाइन डे है. आइए, अपने किसी प्यारे के लिए एक लवकैंप बनाते हैं.

आप को चाहिए : पेपरकप्स, स्ट्रिंगलाइट्स, क्रेपपेपर, पैंसिल, कैंची, स्टैपलर, जिलेटिन पेपर, ग्लू.

टिप्स : चौड़े मुंह वाले कप आप को छोटेछोटे लैंप देंगे.

ऐसे बनाएं :

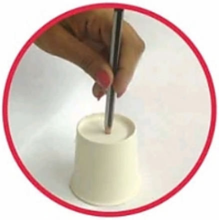

1. पेपरकप के तल पर एक छेद करें.

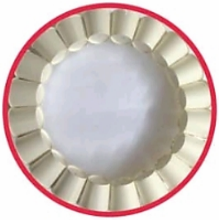

2. एक वृत्त बनाने के लिए कप्स को एकदूसरे के साथ स्टैपलर से जोड़ दें जैसा चित्र में दिखाया गया है.

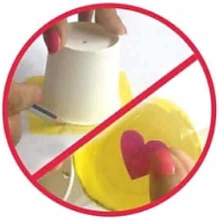

3. जिलेटिन पेपर से वृत्त काट लें और उन्हें कप से जैसा यहां दिखाया गया है, चिपका दें. क्रेपपेपर का एक हार्ट (दिल) इस से चिपका दें.

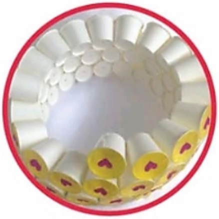

4. पेपरकप्स के ढेर सारे वृत्तों की एक परत को दूसरी परत के साथ स्टैपलिंग करते हुए सजाएं, जैसा यहां दिखाया गया है.

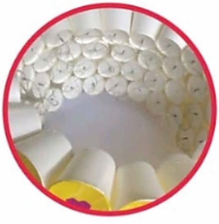

5. कप्स के तल में बने छेदों में से हो कर स्ट्रिंग लाइट्स को पुश कर दें.

अब आप का लैंप बन कर तैयार है.

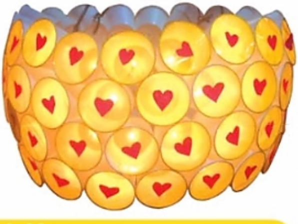

अपने घर पर इसे स्वयं ही बनाने की कोशिश करें. हमें अपनी प्रविष्टि writetochampak@delhipress.in या एक फोटो खींच कर +91 8657402248 पर भेज दें.

जोई की मदद करें

14 फरवरी को जोई जूलौजिस्ट विश्व बोनोबो दिवस मना रही है. बोनोबो रोमदार यानी मुलायम बालों वाले प्यारे वानर हैं जो अब लुप्तप्राय होने को हैं. जोई को सभी जानवरों के लिए पार्टी करने के लिए कपड़े तैयार करने हैं और उन की तीन श्रेणियां बनानी हैं, जैसे रोम वाले, पंख वाले और खोल यानी स्कैल्स वाले जोई की मदद कीजिए.

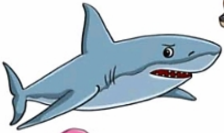
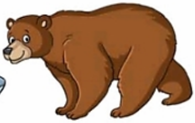
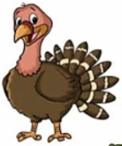
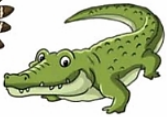
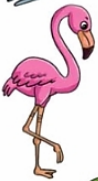
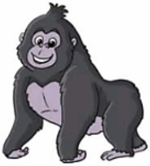

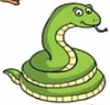
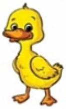
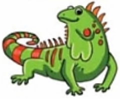
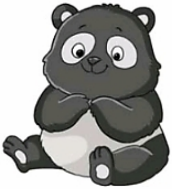
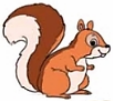
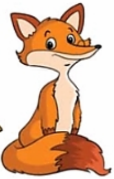
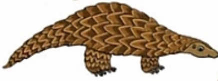
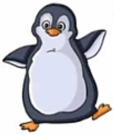
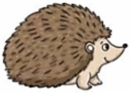

रोम वाले					
पंख वाले					
खोल वाले					

उत्तरः अंतिम पृष्ठ पर देखें.

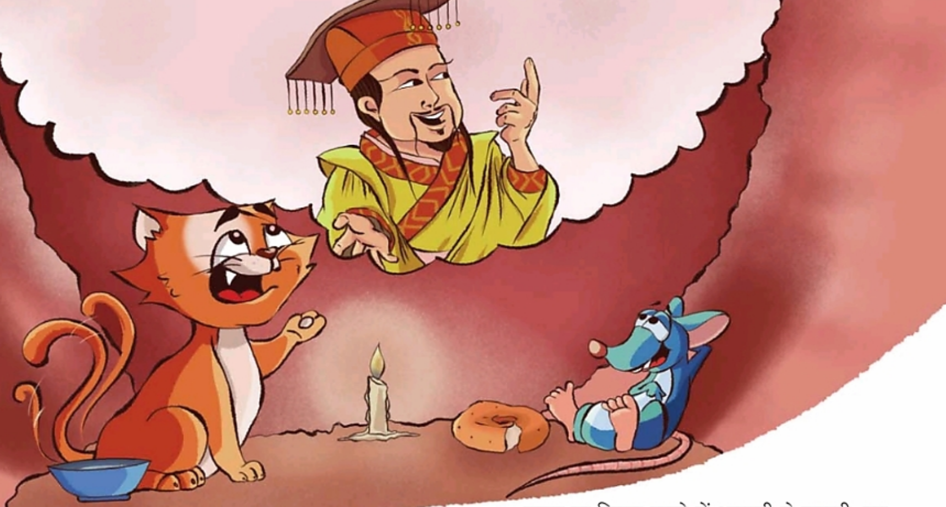

अनूठी दौड़

कहानी • कुसुम अग्रवाल

प्राचीन काल की बात है. चीन में एक राजा था, जेड. वह एक ऊंची पहाड़ी पर रहता था तथा स्वर्ग में आनेजाने वाले रास्तों की निगरानी रखता था. एक बार जब उस का जन्मदिन आया तो उस ने जानना चाहा कि मैं कितने वर्ष का हो गया हूं. परंतु उन दिनों लोगों के पास समय का हिसाबकिताब रखने के लिए का कोई साधन नहीं था.

राजा जेड ने सोचा, 'यदि समय का हिसाब रखने का कोई तरीका मिल जाए तो कितना अच्छा हो,' बहुत सोचने के बाद उसे एक युक्ति सूझी.

उस ने सोचा, 'क्यों ना मेरे जन्मदिन के अवसर पर पृथ्वी के पशुओं के बीच दौड़प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जाए, जो पशु इस प्रतियोगिता में प्रथम 12 स्थानों पर रहेंगे प्रत्येक जानवर को एक वर्ष का स्वामी घोषित कर दिया जाएगा. इस तरह 12 साल का एक बड़ा चक्र बन जाएगा और सब को समय का हिसाब रखने में आसानी हो जाएगी. इस के साथ ही मुझे अपना जन्मदिन भी नए तरीके से मनाने को मिलेगा.'

यह सोच कर राजा ने लंबी दौड़ का ऐलान कर दिया.

राजा जेड की घोषणा सुन कर धरती पर हलचल मच गई और सभी पशु उस दौड़ का हिस्सा बनने के लिए लालायित हो उठे, क्योंकि सभी चाहते थे कि वे एक वर्ष के स्वामी बनें.

यह बात दो पशु मित्रों, बिल्ली और चूहे तक भी पहुंची. दोनों बहुत छोटे जानवर थे लेकिन उन की महत्त्वाकांक्षाएं बड़ी थीं. फिर भी बड़े जानवरों की तुलना में उस दौड़ में उन्हें स्थान बना पाना असंभव लग रहा था इसलिए वे थोड़े चिंतित हो गए.

''केवल भाग लेने से काम नहीं चलेगा,'' बिल्ली ने चूहे से कहा. 'हमें दौड़ में स्थान बनाने के लिए किसी बड़े और तेज दौड़ने वाले पशु का सहारा लेना पड़ेगा वरना हमारी एक वर्ष का मालिक बनने की इच्छा कभी पूरी नहीं होगी.' यह सोच कर दोनों मित्र मदद मांगने घोड़े के पास गए, क्योंकि घोड़ा तेज दौड़ता है, लेकिन घोड़े ने उन्हें मदद देने के लिए साफ मना कर दिया.

घोड़े का उत्तर सुन कर दोनों बहुत निराश हो गए और दूसरा कोई उपाय सोचने लगे.

कुछ न सूझने पर दोनों ने जैसेतैसे खुद ही नियत दूरी तय करने की सोची.

यह खबर भोलेभाले बैल तक भी पहुंची. उस ने सोचा, 'मैं दिखने में तो बड़ा हूं, लेकिन बहुत ढीलाढाला हूं. अतः मुझे दौड़ रात को ही शुरू कर देनी चाहिए ताकि अगले दिन सुबह मैं ही सब से पहले राजा जेड के पास पहुंच जाऊं,' यह सोच कर बैल आधी रात को ही अपनी यात्रा पर निकल पड़ा.

बिल्ली और चूहा भी धीरेधीरे उधर ही जा रहे थे. जब उन्होंने बैल को देखा, तो उन्हे एक उपाय सूझा.

यह बैल बहुत भोलाभाला है. यदि यह हमें अपनी पीठ पर बैठाने को राजी हो जाए और अपने साथ ले चले तो कितना अच्छा हो.

चूहे ने बैल से चापलूसी भरे स्वर में कहा, ''ओह, प्यारे बैल, तुम कितने ताकतवर और हृष्टपुष्ट हो. कृपया हमें अपनी पीठ पर बैठा लो. हम दोनों बहुत छोटेछोटे और हल्केफुल्के हैं. हमारे बैठने से तुम्हें कुछ भी फर्क नहीं पड़ेगा. इस के बदले हम रास्ते भर तुम्हारा मनोरंजन करेंगे और तुम्हें मीठेमीठे गीत भी सुनाएंगे.''

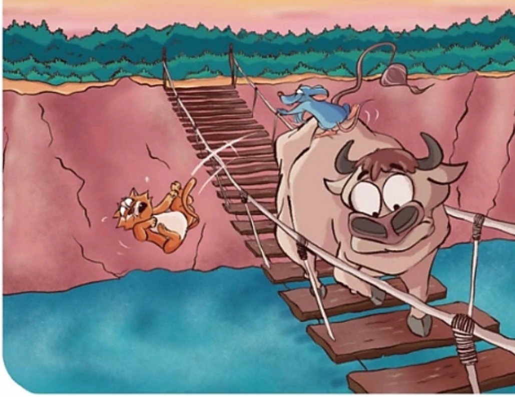

सीधेसादे बैल ने उन की बात मान ली और उन दोनों को अपनी पीठ पर बैठा लिया.

दौड़ की अंतिम रेखा तक पहुंचने के रास्ते में एक नदी थी. बैल की पीठ पर सवार चूहा और बिल्ली मजे से नदी पार कर ही रहे थे कि अचानक चूहे को एक चालाकी भरी शरारत सूझी.

उस ने बिल्ली को धक्का दे कर पानी में गिरा दिया ताकि वह रेस न जीत सके और खुद बैल की सवारी करतेकरते चूहा राजा की ओर चल पड़ा.

नदी के पार पहुंच कर बैल सोच रहा था, 'प्रथम वर्ष का स्वामी मैं ही बनूंगा, क्योंकि मैं ही सबसे पहले राजा के पास पहुंचा हूं.'

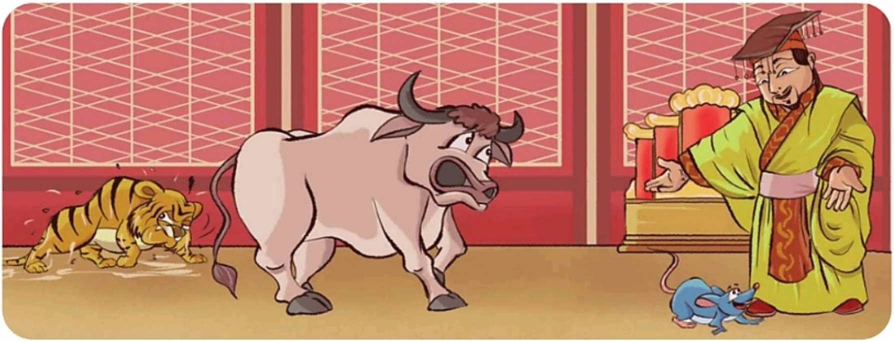

यह सोच कर ज्यों ही उस ने अंतिम रेखा पर कदम रखा, चूहा उस के ऊपर से फुदक कर पहले ही राजा के पास चला गया.

चूहे ने कहा, ''राजन, मैं सब से पहले आप के पास पहुंचा हूं. इसलिए मैं दौड़ में प्रथम आया हूं.''

चूहे जैसे छोटे जीव को सर्वप्रथम पहुंचे देख कर राजा खुश हो गया और बोला, ''शाबाश, कैलेंडर में स्थान पाने वाले तुम पहले पशु हो. इसलिए पहले वर्ष के स्वामी तुम होगे.''

बेचारा बैल मन मसोस कर रह गया और उसे दूसरे स्थान से ही संतोष करना पड़ा.

उन के पीछे चीता था. हालांकि चीता बहुत तेज दौड़ता है और वह सुबह जल्दी चल भी पड़ा था, लेकिन जैसे ही वह नदी पार करने लगा, अपने शरीर के बालों के भीगने की वजह से उस का वजन बढ़ गया. पानी की धारा उसे नीचे की ओर खींचने लगी और उसे तैरने में दिक्कत होने लगी. अतः उसे पहुंचने में थोड़ी देर हो गई. लेकिन फिर भी तीसरे नंबर पर पहुंचने वाला चीता ही था. अतः राजा ने अपने कैलेंडर में उसे तीसरा स्थान दे दिया.

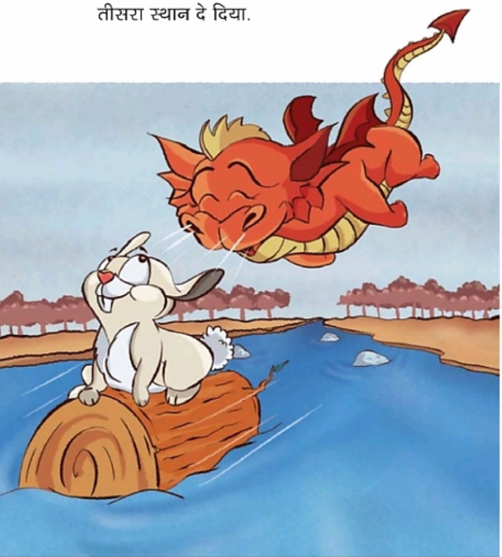

नन्हा खरगोश भी बहुत तेजी से दौड़ा और नदी तक पहुंच गया लेकिन नदी का बहता पानी देख कर उसे बड़ी चिंता हुई.

'मैं इसे कैसे पार करूंगा?' उस ने नदी में कई बड़ेबड़े पत्थर देखे और उस का तेज दिमाग काम कर गया. वह बड़ी सावधानी से एक पत्थर से उछल कर दूसरे पत्थर तक पहुंच कर नदी पार करने लगा.

इस तरह वह नदी पार कर ही रहा था कि अचानक एक पत्थर पर से उस का पैर फिसला और वह नदी में गिर गया. बेचारा खरगोश, अब तो उस की जान के भी लाले पड़ गए थे.

'मैं क्या करूं? कैसे करूं? कैसे बचूं?' अभी वह सोच ही रहा था कि उसे अपनी ओर एक लकड़ी का गट्ठर बह कर आता हुआ दिखाई दिया.

गट्ठर को देख कर खरगोश की जान में जान आई. उस ने आव देखा न ताव, वह उस पर सवार हो गया और उस के सहारे धीरेधीरे नदी पार करने लगा.

खरगोश के ठीक पीछे अजगर आ रहा था. यों तो अजगर उड़ने वाला जीव है. वह सब से पहले पहुंच कर अपना नाम दर्ज करवा सकता था लेकिन ज्यों ही वह चलने लगा, पृथ्वीवासियों को वर्षा की आवश्यकता महसूस हुई. अजगर को वर्षा करवाना अधिक महत्त्वपूर्ण लगा और वह अपनी दौड़ पर जाना स्थगित कर के धरती पर वर्षा करवाने में मशगूल हो गया.

यह सब करवा कर जब वह दौड़ में शामिल हुआ तो उस ने देखा एक छोटा सा खरगोश पानी में जैसेतैसे अपनी जान बचा कर, लकड़ी के गट्ठर पर सवार हो कर गंतव्य तक पहुंचने की कोशिश कर रहा है तो उसे उस खरगोश पर दया आ गई. वह भी उड़ने के बजाय पानी में ही धीरधीरे उस खरगोश के पीछे चलने लगा ताकि अपनी सांस द्वारा छोड़ी गई हवा से उस गट्ठर को धक्का दे सके और खरगोश को आगे पहुंचने मे मदद कर सके. इस तरह खरगोश चौथे

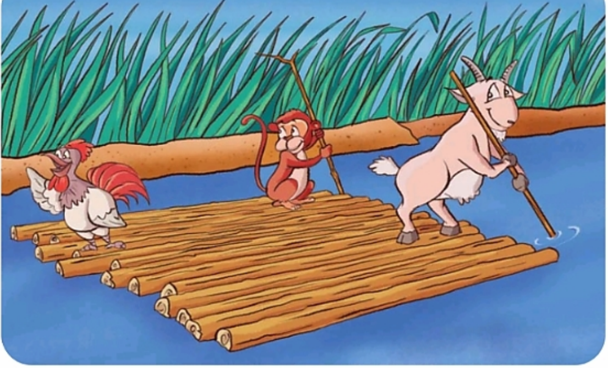

नंबर पर पहुंचा और अजगर 5वें नंबर पर.

अजगर को लेट आते देख कर राजा हैरान हुआ पर जब अजगर ने राजा को अपने लेट आने का कारण बताया तो राजा बहुत खुश हुआ और उस को 5वें स्थान पर घोषित कर दिया.

घोड़ा भी तेजी से दौड़ता हुआ नदी पार कर के छठे नंबर पर अपना नाम दर्ज करवाने ही वाला था कि अचानक एक सांप जो उस के पैरों पर लिपटा हुआ था, उस से पहले ही राजा की ओर बढ़ गया जिसे देख कर घोड़ा डर गया, क्योंकि उसे नहीं पता था सांप भी उस के साथ है. डरने के कारण घोड़ा थोड़ा पीछे की ओर हट गया और सांप ने घोड़े से पहले अपना नाम दर्ज करवा दिया. इस तरह सांप का छटा और 7वां वर्ष घोड़े के नाम हो गया.

उधर नदी के उस पार एक बकरी, बंदर और मुर्गा भी नदी पार करने की योजना बना रहे थे. उन तीनों ने मिल कर नदी पार करने के लिए बांस की एक छोटी सी नाव बना ली. फिर तीनों मिलजुल कर उस पर सवार हो कर जैसेतैसे रास्ता बना कर राजा तक पहुंच ही गए.

राजा ने जब तीनों को आते देखा तो वह बहुत खुश हो गया और उन्हें अपने कैलेंडर में क्रमशः 8वां, 9वां और 10वां स्थान दे दिया.

कुछ ही देर बाद राजा ने देखा एक कुत्ता उन की ओर बड़ा चला आ रहा है. कुत्ते को इतनी देर से आते देख राजा को बड़ी हैरानी हुई. उस ने कुत्ते से पूछा, ''तुम तो बहुत अच्छे तैराक हो. तुम इतनी देर से क्यों पहुंचे?

राजा की बात सुन कर कुत्ता हंसने लगा और बोला, ''राजन, आप तो जानते ही हो कि मुझे पानी में खेलना बहुत अच्छा लगता है. मैं ने सोचा क्यों न नदी में थोड़ा खेलकूद किया जाए. इसलिए मैं पानी में मजे करता हुआ आप तक पहुंचा हूं. थोड़ी देर हो गई है पर शुक्र है कि तब भी मैं अपना स्थान बना पाया हूं.''

''हां, हां, अवश्य बना पाए हो,'' राजा ने कहा. ''तुम 11वें पशु हो जिस ने कैलेंडर में अपना स्थान बनाया है. मुझे कुल 12 पशुओं को लेना था, लेकिन अब बहुत देर हो गई है. लगता है अब कोई नहीं आएगा,'' राजा ने नदी में दूर तक नजर डालते हुए कहा.

सचमुच बहुत देर हो गई थी. राजा ने अब किसी और

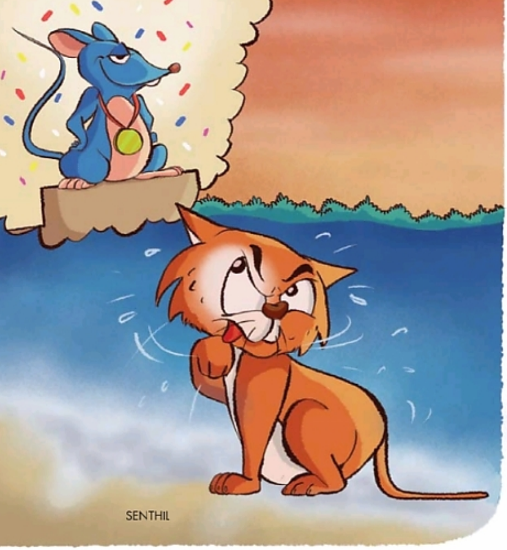

जानवर के आने की उम्मीद छोड़ दी थी कि अचानक से उसे एक सूअर की आवाज सुनाई दी.

''राजन, मैं आ गया हूं, क्या आप मेरा नाम दर्ज करेंगे,'' सूअर ने वहां पहुंच कर कहा.

अवश्य तुम 12वें हो. परंतु यह बताओ, ''तुम इतनी देर से क्यों पहुंचे?''

राजा की बात सुन कर सूअर मुसकराने लगा और बोला, ''राजन, आप तो जानते ही हैं कि मुझ से भूख बर्दाश्त नहीं होती है. दौड़ के बीच में ही मुझे बहुत तेज भूख लग आई थी और मैं भोजन करने बैठ गया था. भोजन करने के बाद आलस आना स्वाभाविक है. अतः मैंने थोड़ा विश्राम किया. संजोग से मेरी आंख लग गई और जब मेरी आंख खुली तो मैं हड़बड़ा कर उठा और इधर चल पड़ा.''

सूअर की बात सुन कर राजा मुसकराया और बोला, ''तुम बहुत खुशकिस्मत हो इतना सब होने के बावजूद तुम ने कैलेंडर में अपना स्थान बना लिया है.''

दौड़ में प्रथम 12 स्थानों पर रहने वाले पशु बहुत खुश थे और वे सब मिल कर जश्न मनाने लगे. उधर वह बिल्ली, जिसे चूहे ने पानी में धक्का दे दिया था, बड़ी मुश्किल से पानी से निकली और फिर जैसेतैसे जुगाड़ कर के बहुत देर बाद राजा जेड तक पहुंची.

हालांकि तब तक दौड़ खत्म हो चुकी थी. नतीजतन बिल्ली को कैलेंडर में जगह नहीं मिल पाई. यह देख कर बिल्ली को बहुत गुस्सा आया. खास कर चूहे पर जिस ने उसे पानी में धक्का दिया था और वह चूहे को पकड़ कर मजा चखाने की ताक में थी.

शायद इसी कारण बिल्ली अभी तक पानी से डरती है और उस की चूहे से नहीं बनती. आज भी जैसे ही बिल्ली चूहे को देखती है, वह उसे पकड़ने के लिए उस के पीछे भागती है.

चीन में 12 सालों के इस चक्कर में हर वर्ष इन्हीं में से किसी एक पशु को एक वर्ष का स्वामी बनाया जाता है. यह सब उसी क्रमानुसार होता है जिस क्रम में वे दौड़ में अपना स्थान बना पाए थे. जैसे चूहा, बैल, बाघ, खरगोश, अजगर, सांप, घोड़ा, बकरी, बंदर, मुर्गा, कुत्ता तथा सूअर.

2022 चीनी नववर्ष 1 फरवरी से शुरू होने वाले बाघ का वर्ष होगा. उस के बाद यह खरगोश का वर्ष होगा और फिर अजगर का फरवरी से शुरू होगा. उस के बाद चूहा वर्ष चीन में ये पशु ही राशि चिन्ह भी कहलाते हैं.

कहते हैं संबंधित वर्षों में जन्म लेने वाले बच्चों का व्यक्तित्व भी उन वर्षों के स्वामी (राशि) पशुओं के गुणों के अनुकूल ही होता है. है न मजे की बात.

अब तुम सब भी बड़ी आसानी से अपने जन्म के वर्ष से पता लगा सकते हो कि तुम्हारा राशिपशु कौन सा है. उलटी गिनती करो. हां, सही क्रम याद रखना. ●

अंतर बताओ

यहां 10 गलतियां हैं. आप उन गलतियों को ढूंढ़ कर बताएं.

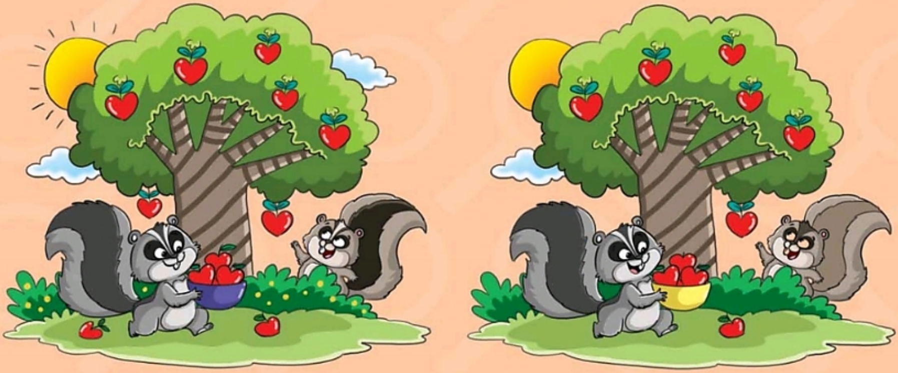

हमारी और उन की उत्सुकता

हम अकसर आईने में स्वयं को देखा करते हैं कि हम दिखने में कैसा लगते हैं. ज्यादातर जानवर तो स्वयं को आईने में देख कर पहचान भी नहीं सकते हैं. लेकिन बोटलनोज यानी बोतल की तरह नाक वाली डौल्फिन न सिर्फ स्वयं को पहचान लेती है बल्कि वह इस से भी एक कदम आगे है. वह अपनेआप को सजाने लगते है जब वह आईने के सामने होती है.

बोटलनोज डौल्फिंस पृथ्वी पर डौल्फिनों की सब से सामान्य प्रजाति है. उष्णकटिबंधीय सागर में रहती है और पूरी दुनिया के गरम पानी वाले क्षेत्र में निवास करती है. वर्षों की खोज के बाद वैज्ञानिकों ने यह पता लगाया कि डौल्फिन बहुत बुद्धिमान और सामाजिक स्तनधारी जानवर हैं.

स्वयं को आईने में पहचानने की उस की क्षमता का परीक्षण अमेरिकी वैज्ञानिकों ने किया. इस के लिए उसे परावर्तक पेंट के साथ चिह्नित किया. ऐसे पेंट केवल शीशे में दिखाई देते हैं. प्रयोग के अनुसार दिखाई पड़ा कि डौल्फिन आईने की तरफ वैज्ञानिकों के द्वारा चिन्हित किए गए निशान को परखने के लिए तैरती है. इस प्रयोग के पहले तक एकमात्र जानवर मनुष्य और वानरों की कुछ प्रजातियां ही थीं, जो स्वयं की पहचान आईने के सामने करते थे.

ऐसा दिखाई पड़ा कि जब बोटलनोज डौल्फिंस की नजर वैज्ञानिकों द्वारा बनाए गए चिन्हों पर सब से पहले पड़ी तो वह अपने प्रतिबिंबों में बहुत ही ज्यादा उत्सुकता दिखाती रही. उदाहरण के लिए वे अपनी जीभ बाहर निकालने लगी और स्वयं को देखते हुए अनोखी गति शृंखला भी बनाने लगी.

पैदा होने के तुरंत बाद ही हरेक डौल्फिन एक खास तरह की सीटी की आवाज निकालती है. यह सीटी एक तरह से डौल्फिन के नाम के जैसा ही कार्य करती है.

दादाजी और वैलेंटाइन डे

कहानी ● विवेक चक्रवर्ती

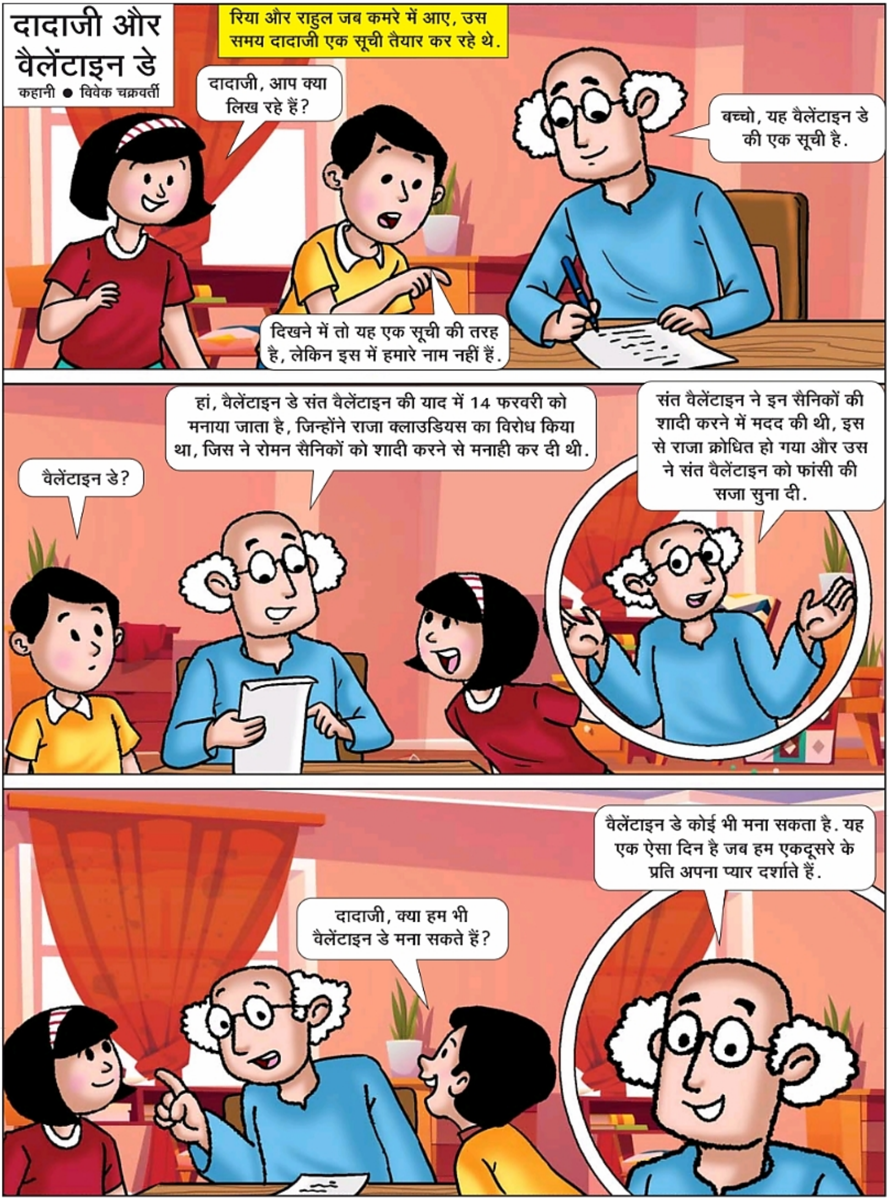
रिया और राहुल जब कमरे में आए, उस समय दादाजी एक सूची तैयार कर रहे थे.
दादाजी, आप क्या लिख रहे हैं?
बच्चो, यह वैलेंटाइन डे की एक सूची है.
दिखने में तो यह एक सूची की तरह है, लेकिन इस में हमारे नाम नहीं हैं.
वैलेंटाइन डे?
हां, वैलेंटाइन डे संत वैलेंटाइन की याद में 14 फरवरी को मनाया जाता है, जिन्होंने राजा क्लाउडियस का विरोध किया था, जिस ने रोमन सैनिकों को शादी करने से मनाही कर दी थी.
संत वैलेंटाइन ने इन सैनिकों की शादी करने में मदद की थी, इस से राजा क्रोधित हो गया और उस ने संत वैलेंटाइन को फांसी की सजा सुना दी.
दादाजी, क्या हम भी वैलेंटाइन डे मना सकते हैं?
वैलेंटाइन डे कोई भी मना सकता है. यह एक ऐसा दिन है जब हम एकदूसरे के प्रति अपना प्यार दर्शाते हैं.

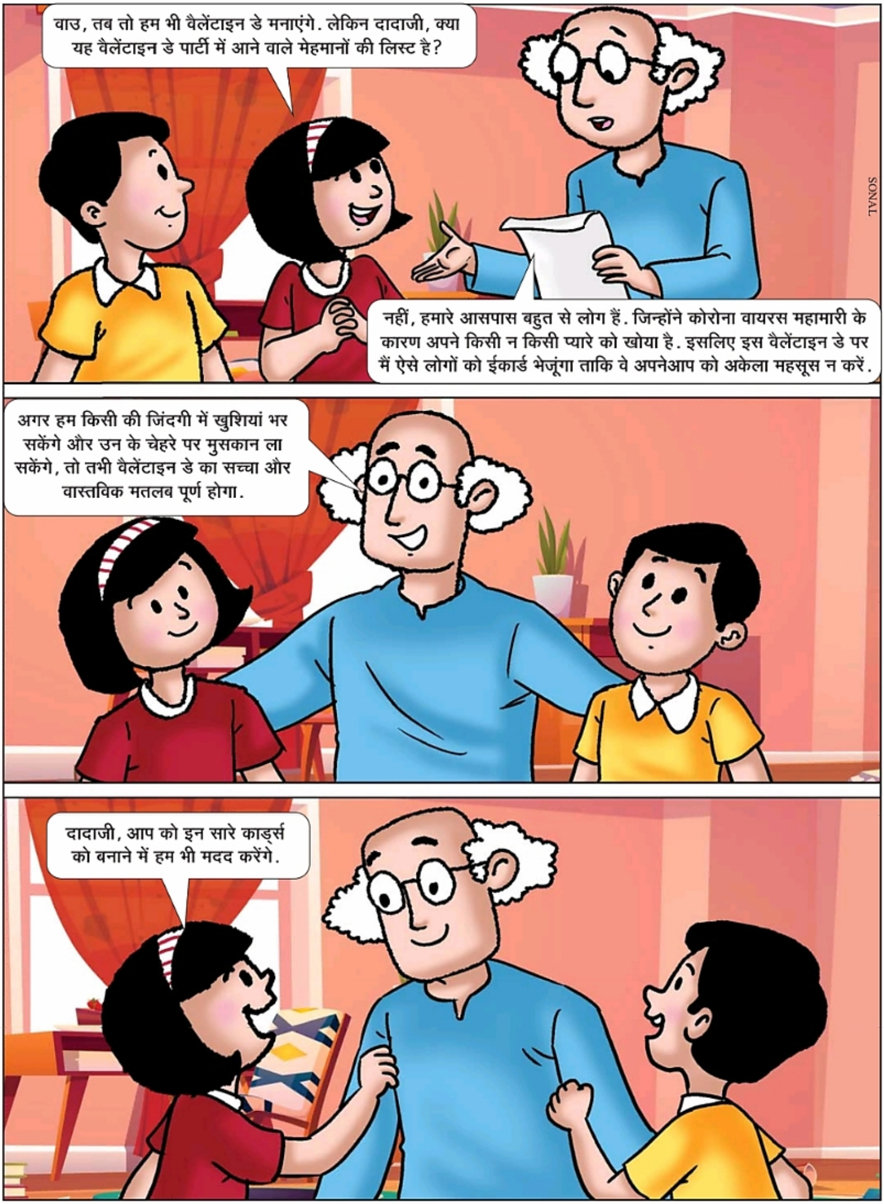
वाउ, तब तो हम भी वैलेंटाइन डे मनाएंगे. लेकिन दादाजी, क्या यह वैलेंटाइन डे पार्टी में आने वाले मेहमानों की लिस्ट है?
नहीं, हमारे आसपास बहुत से लोग हैं. जिन्होंने कोरोना वायरस महामारी के कारण अपने किसी न किसी प्यारे को खोया है. इसलिए इस वैलेंटाइन डे पर मैं ऐसे लोगों को ईकार्ड भेजूंगा ताकि वे अपनेआप को अकेला महसूस न करें.
SONAL
अगर हम किसी की जिंदगी में खुशियां भर सकेंगे और उन के चेहरे पर मुसकान ला सकेंगे, तो तभी वैलेंटाइन डे का सच्चा और वास्तविक मतलब पूर्ण होगा.
दादाजी, आप को इन सारे कार्ड्स को बनाने में हम भी मदद करेंगे.

जेबू की फसल

कहानी ● वंदना गुप्ता

मधुवन में जेबू जेबरे का एक छोटा सा खेत था, जहां वह बड़ी मेहनत से सब्जियां उगाता था. उस के खेत मोटी रसीली गाजरों और शकरकंद से भरे थे. 2-3 दिन में वह उन्हें निकाल कर अपने घर ले जाने वाला था.

खेत से थोड़ी दूर एक पहाड़ी पर गुफा में उस का घर था. उस दिन वह उदास दिखाई दे रहा था.

''क्या बात है जेबू, इतनी अच्छी फसल तुम्हारे खेत में लगी है फिर भी तुम उदास हो?'' उस के पड़ोसी रिक्की रैकून ने पूछा.

''तबीयत कुछ ठीक नहीं लग रही,'' जेबू ने बताया.

रिक्की ने उस के माथे को छुआ और कहा, ''हां, तुम्हें तो बुखार है, लेकिन इस में परेशानी की क्या बात है, 2-3 दिन दवाई खा कर आराम करो ठीक हो जाओगे.''

''इस समय मैं अपने खेत में दिन रात पहरा देना चाह रहा था और मुझ से बैठा भी नहीं जा रहा,'' जेबू बोला.

''चिंता मत करो, हम पड़ोसी भला किस दिन काम आएंगे? तुम घर जा कर आराम करो और खेत की

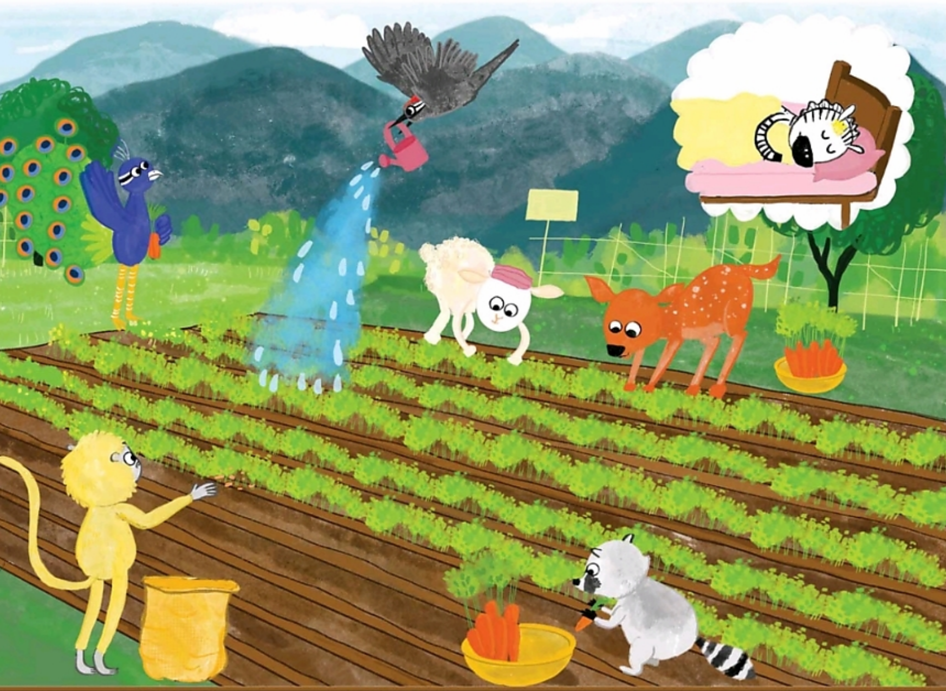

चिंता मत करो, हम सब मिल कर तुम्हारे खेत की रखवाली करेंगे,'' कह कर रिक्की ने जेबू को घर भेज दिया.

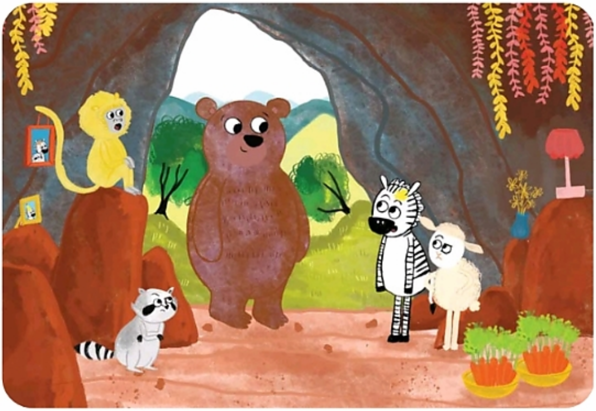

रिक्की ने आसपास रहने वाले पशुपक्षियों हिरन, लंगूर, भेड़, मोर, कठफोड़वा आदि को बुलाया और कहा, ''जब तक जेबू ठीक नहीं हो जाता, हम सब बारीबारी उस के खेत की रखवाली करेंगे. कोई भी खतरा दिखाई दे तो शोर मचा कर सब को इकट्ठा कर लेंगे.''

सभी पड़ोसियों में बहुत प्यार था इसलिए वे मदद करने को तुरंत तैयार हो गए. 2-3 दिन बाद जेबू अपने खेत पर आया. अब वह स्वस्थ दिखाई दे रहा था.

सभी ने सब्जियां जमीन से निकाल कर साफ करने व बोरों में भरने में जेबू की मदद की. जल्दी ही सब्जियां जेबू के घर पहुंचा दी गईं.

जेबू बहुत खुश था, ''दोस्तो, तुम्हारी मदद से मुझे ये खुशी मिली है. मैं अपनी इस खुशी को तुम सब के साथ बांटना चाहता हूं. इस रविवार को मैं तुम सब को एक पार्टी दूंगा,'' उस ने कहा.

''हुर्रे पार्टी, फिर तो बहुत मजा आएगा,'' सभी खुश होते हुए बोले.

''तो ठीक है, इस शनिवार को मैं शहर जा कर पार्टी के लिए सारा सामान ले आऊंगा, वहां मेरा दोस्त डोडो गधा रहता है उस से मैं काफी दिन से नहीं मिल पाया हूं, उस के साथ रात बिता कर मैं रविवार की सुबह लौट आऊंगा फिर शाम को हम पार्टी करेंगे.''

तभी अचानक एक भालू जेबू के पास आया और बोला, ''मेरा नाम बोबो है, मैं पास के वन से आया हूं, उस सामने वाली गुफा में ठहरा हूं, आप सभी का एकदूसरे के लिए प्यार देख कर मुझे बहुत अच्छा लगा. क्या आप मुझे भी अपना दोस्त बनाओगे?''

''लेकिन हम तो आप को ठीक से जानते भी नहीं,'' रिक्की ने कहा.

''ठीक है मुझे जानने के लिए आप को मेरा दोस्त बनना पड़ेगा. क्या मैं भी आप लोगों की पार्टी में शामिल हो सकता हूं? मैं खाली हाथ नहीं आऊंगा, मैं आप सब के लिए ताजा मीठा गाजर लाऊंगा.''

सब ने एकदूसरे की ओर देखा फिर जेबू बोला, ''ठीक है आ जाना.''

बोबो खुश हो कर वहां से चला गया.

अगले दिन रिक्की ने देखा बोबो लंगड़ाता हुआ आ रहा था, उस के अगले बाएं पैर में क्रेप बैंडेज बंधी थी. उस पैर को वह जमीन पर भी नहीं रख पा रहा था. वह अपने दाएं पैर पर अधिक वजन डाल कर चल रहा था.

रिक्की ने पूछा, ''क्या हुआ बोबो, तुम लंगड़ा कर क्यों चल रहे हो?''

''क्या बताऊं दोस्त, पार्टी के लिए शहद लेने गया था. एक पेड़ पर मधुमक्खी का छत्ता दिखाई दिया. उस पर चढ़ कर जैसे ही तोड़ने की कोशिश की मेरा संतुलन बिगड़ गया और मैं नीचे गिर गया,'' बोबो ने बताया.

''ओह, बहुत दर्द है क्या?''

''हां दर्द तो है पर डाक्टर को दिखा दिया है, हड्डी नहीं टूटी है केवल मोच आई है. कुछ दिन आराम कर के ठीक हो जाएगा. मुझे दुख है कि मैं आप को शहद नहीं खिला पाया.''

''कोई बात नहीं पर पार्टी में तो अभी दो दिन बाकी है आराम कर लो उस में तो आ जाना,'' रिक्की ने बोबो से कहा.

''माफ करना दोस्त, जब मैं चिकनी सड़कों पर ही नहीं चल पा रहा हूं तो भला पहाड़ी पर कैसे चढूंगा. इसलिए मेरा पार्टी में आना भी मुश्किल है,'' कह कर बोबो अपनी गुफा में आराम करने चला गया.

जब रिक्की ने यह बात जेबू को बताई तो वह दुखी हुआ और बोला, ''जब तक बोबो ठीक नहीं होता हम सब बारीबारी उस के घर खाना पहुंचाएंगे.''

रविवार की सुबह जेबू खुशीखुशी पार्टी के लिए ढेर सारा खानापीना ले कर लौटी, पर अपनी गुफा में घुसते ही उस की सारी खुशी गायब हो गई.

वह यह देख कर हैरान रह गई कि उस की सारी सब्जियां गायब थीं.

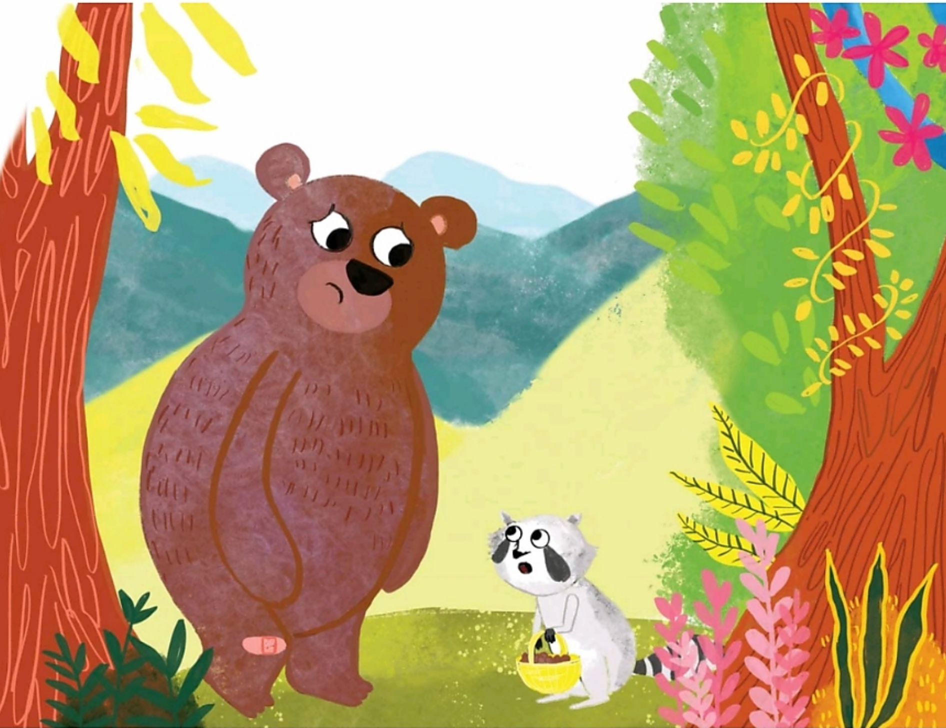

फिर रिक्की उस के घर आया और बोला, ''तुम्हें सबकुछ मिल गया? लेकिन तुम बड़े उदास दिख रहे हो, थक गए हो? कोई बात नहीं पार्टी की तैयारी में मैं तुम्हारी मदद करूंगा.''

''कैसी पार्टी? जब पार्टी करने की वजह ही खत्म हो गई तो पार्टी कर के क्या करूंगा,'' जेबू उदास हो कर बोला.

''क्यों ऐसा क्या हो गया?'' रिक्की ने पूछा.

''देखो, मेरी सारी सब्जियां गायब हो गई हैं?''

''ऐसा कैसे हो सकता है? हम तो यहां कब से रह रहे हैं. आज तक कोई सामान इधर से उधर नहीं हुआ,'' रिक्की हैरान होता हुआ बोला.

अचानक रिक्की को कुछ याद आया और बोला, ''मैं समझ गया सारी बात, तुम्हारी सारी सब्जियां वापस मिल जाएंगी और पार्टी भी होगी. बस, तुम मेरे साथ चलो.''

''पर कहां?'' जेबू भ्रमित हो कर बोला.

रिक्की जेबू को बोबो की गुफा में ले गया. उस की गुफा की तलाशी लेने पर सब्जियों के सारे बोरे मिल गए.

''तुम्हें शर्म नहीं आई, दोस्त बनने का नाटक करके चोरी करते हो? जिस तरह ये बोरे जेबू के घर से लाए हो उसी तरह वापस पहुंचा दो वरना यहां के राजा से शिकायत कर के तुम्हें जेल में डलवा देंगे.''

''और हां, तुम जैसे धोखेबाज से दोस्ती करना तो दूर हम तुम्हें इस वन में रहने भी नहीं देंगे, लेकिन यहां से चले जाओ,'' रिक्की ने बोबो को डांटते हुए कहा.

बोबो ने तुरंत गाजर व शकरकंदी के सभी बोरे जेबू के घर वापस पहुंचाए और वन छोड़ कर चला गया.

''पर रिक्की तुम्हें कैसे पता चला कि मेरी सब्जियां बोबो ने चुराई हैं जब कि पैर में चोट होने के कारण उस पर किसी को भी शक नहीं होता,'' जेबू ने पूछा.

रिक्की ने बताया, ''कल मैं उस के घर खाना ले कर आया था तब न तो वह आराम कर रहा था और न ही उस ने पैर में पट्टी बांध रखी थी.

मैं ने उस से कहा, ''बोबो, तुम्हें आराम करना चाहिए और तुम ने पट्टी क्यों खोल दी?''

वह घबरा कर कहने लगा, ''मैं लेटेलेटे ऊब गया और पट्टी से पैर में दर्द होने लगा था इसलिए मैं ने पट्टी खोल दी, फिर वह लंगड़ा कर चलने लगा, लेकिन उस ने सारा वजन बाएं पैर पर डाल दिया और दायां पैर उस ने हवा में उठा रखा था जबकि दो दिन पहले वह अपना बायां पैर जमीन पर नहीं टिका पा रहा था. वह सिर्फ दाएं पैर से चल रहा था.''

TITHEE DIXIT

पहले तो मुझे हैरानी हुई, लेकिन फिर मैं ने सोचा शायद मेरे देखने में ही गलती हुई होगी, पर जब आज चोरी हुई तो मेरा शक इस पर गया क्योंकि वह जानता था कि तुम्हारी गुफा शाम व रात को खाली रहेगी. उस ने अपने पैर में चोट लगने का नाटक किया जिस से हमारी सहानुभूति उसे मिल जाए और हम उस पर शक भी न करें. इस के बाद उस ने आराम से चोरी की.''

''रिक्की, तुम्हारा बहुतबहुत धन्यवाद, तुम्हारी बुद्धिमानी के कारण बोबो की सारी पोल खुल गई वरना मेरी महीनों की मेहनत पर पानी फिर जाता,'' जेबू बोला.

यह सुन कर रिक्की शरमा गया और बोला, ''अब ये सब बातें छोड़ो और चलो पार्टी की तैयारी भी तो करनी है.''

इस के बाद दोनों दोस्तों ने धूमधाम से पार्टी की तैयारी शुरू कर दी. ●

उत्तर पृष्ठ :

पृष्ठ 8 : रास्ता बताओ :

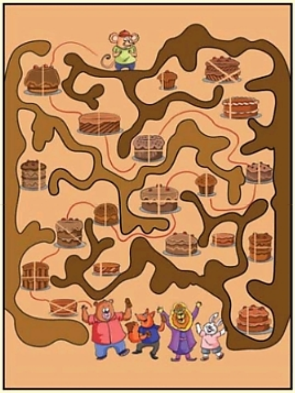

पृष्ठ 25 : छिपे चित्र ढूंढ़ें :

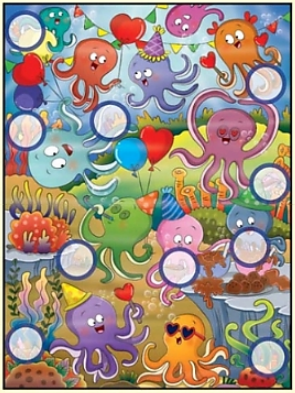

पृष्ठ 37 : जोई की मदद करें :

फर (रोम वाले)	गोरिल्ला	पांडा	भालू	गिलहरी	लोमड़ी
पंख वाले	बत्तख	टर्की (तुर्की)	पोर्कुपाइन (साही)	पैंग्विन	फ्लेमिंगो
खो (केंचुल वाले)	सांप	पैंगोलिम (छिपकली)	ग्रेट व्हाइट शार्क	मगरमच्छ	इग्यूएना (गोधा)

FOR THE FIRST TIME,
A COLLECTION OF 72
HANDPICKED STORIES

CHAMPAK IN ASSOCIATION WITH RUPA

HELP CHILDREN BE THEIR BEST SELVES, ONE STORY AT A TIME!

GET YOUR COPY NOW!

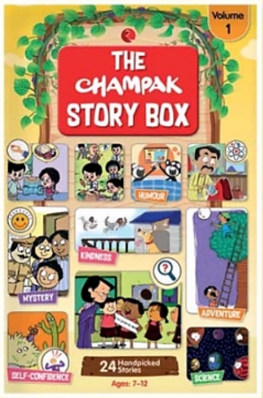

Volume 1
THE CHAMPAK STORY BOX
HUMOUR
KINDNESS
MYSTERY
ADVENTURE
SELF-CONFIDENCE
SCIENCE
24 Handpicked Stories
Ages: 7-12

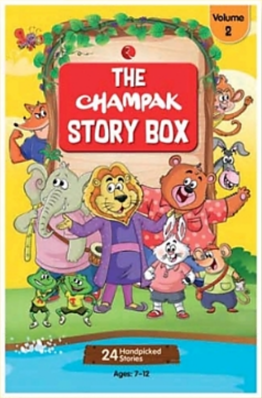

Volume 2
THE CHAMPAK STORY BOX
24 Handpicked Stories
Ages: 7-12

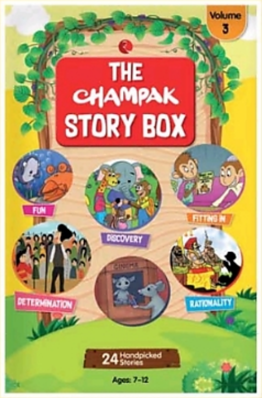

Volume 3
THE CHAMPAK STORY BOX
FUN
DISCOVERY
FITTING IN
DETERMINATION
RATIONALITY
24 Handpicked Stories
Ages: 7-12

AGES: 7-12

AVAILABLE ON DELHIPRESS.IN
& ALL LEADING BOOKSTORES ACROSS THE COUNTRY.

T& C apply

To subscribe: Call/SMS/WhatsApp: 8588843408 | Toll Free Number: 1800 103 880
email: subscription@delhipress.in
For online payment visit www.delhipress.in/subscribe and
use the promotional code CB5 to get 5% discount.

(REGISTERED) RNI 16420/68 DL(C)-14/1093/2021-23 WPP U(C)148/40/2021-23 P.O. SRT Nagar, ND-55 Posting Dt. 02 to 08 Published on 26/01/2022. Pgs. 52

PARLE®
POPPINS®
Fruit Flavoured Rolls
PARLE
POPPINS
Fruit Flavoured Rolls
Naya Rangeela Pack,
Wahi Mazedar Swaad
SUGAR BOILED CONFECTIONERY
*Creative visualisation. Actual candy colours may vary.